

खबरें फटाफट

बागोलिया बांध फीडर निर्माण कार्य के लिए 190 करोड़ रुपए के कार्य प्रस्तावित

संजीवनी टुडे

मावली. मावली उपखंड क्षेत्र के बडियार ग्राम पंचायत स्थित क्षेत्र के सबसे बड़े बागोलिया बांध के फीडर निर्माण कार्य के लिए राजस्थान सरकार ने 190 करोड़ प्रस्तावित किए। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के इस प्रस्ताव से आने वाले समय में मावली और आस पास के कई गांवों को पानी की समस्या से निजात मिलेगी और इसके साथ ही मावली फतेहनगर और चितौड़ के मध्य ट्रोमा सेंटर खोलने की योजना प्रस्तावित की है। जिससे की मावली फतेहनगर के आस पास के कई लोगो को इसका लाभ मिले।

गुरुवार को आयोजित होने वाली जिला जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतकर्ता समिति की बैठक स्थगित

संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला जन अभियोग निराकरण एवं सतकर्ता समिति की 18 जुलाई गुष्कार को आयोजित होने वाली बैठक विधानसभा सत्र आयोजित होने से स्थगित की गई है।

विद्युत संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई 18 जुलाई को

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। प्रबंध निदेशक, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निर्देशानुसार वृत्त डूंगरपुर के अधिशाषी अभियंता कार्यालय, डूंगरपुर में 18 जुलाई को प्रातः 10 बजे से विद्युत उपभोक्ताओं एवं आम नागरिकों की विद्युत संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता हरिराम कालेर ने बताया कि विद्युत उपभोक्ता, उपभोक्ता संगठन, स्वयंसेवी संगठन एवं आम नागरिक कार्यालय में उपस्थित होकर विद्युत शिकायत का समाधान करवा सकते हैं।

नशा मुक्ति भारत अभियान के लिए स्वैच्छिक वरिष्ठ सेवक के लिए 22 जुलाई तक बायोडाटा आमंत्रित

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा संचालित नशामुक्ति भारत अभियान के संचालन के लिए जिला स्तरीय नशामुक्त भारत अभियान समिति का गठन किया जाना है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अशोक शर्मा ने बताया कि जिला स्तर पर गठित होने वाली समिति में 2 सेवानिवृत्त वरिष्ठ सेवक जो नशा मुक्त भारत सरकार में अपना स्वैच्छिक सहयोग प्रदान कर सकें वे अपना नाम मय बायोडेटा 22 जुलाई तक उप निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में जमा कर सकेंगे।

केन्द्रीय सचिव अग्रवाल 17 से 20 तक उदयपुर प्रवास पर

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल 17 से 20 जुलाई तक उदयपुर प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री अग्रवाल 17 को सुबह 11:20 बजे वायुयान से उदयपुर आएंगे। वे 18 को स्थानीय भ्रमण तथा 19 को सोलर पार्क का विजिट करेंगे तथा 19 और 20 को यहाँ आयोजित भारत और बांग्लादेश के बीच जीएससी मीटिंग में शिरकत करेंगे। वे 20 जुलाई को रात्रि 8 बजे वायुयान से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य ने किया वन स्टॉप केन्द्र का निरीक्षण

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के माननीय सदस्य जस्टिस श्री रामचंद्र सिंह झाला ने मंगलवार को भुवाणा में संचालित सखी वन स्टॉप सेक्टर का निरीक्षण किया। श्री झाला ने केन्द्र द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाएं यथा अल्पायास सुविधा, काउंसलिंग प्रक्रिया, चिकित्सा सुविधा आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली और विगत समय में आए प्रकरणों पर सारगर्भित चर्चा की। निरीक्षण के दौरान महिला अधिकारिता उप निदेशक संजय जोशी, सखी वन स्टॉप केन्द्र से प्रबंधक श्रीमती किरण पटेल, परामर्शदाता श्रीमती रेखा जिनचार अन्य कार्मिक उपस्थित थे।

संस्था प्रधानों का प्रशिक्षण 18 को

संजीवनी टुडे

उदयपुर। डाइट के वार्षिक पंचांग 2024-25 में योजना एवं प्रबंध प्रभाग की अनुमोदित कार्यक्रम गतिविधि के तहत लैब विद्यालयों के संस्था प्रधानों एवं हेड टीचर की एक दिवसीय ट्रेनिंग 18 जुलाई को होगी। डाइट प्रधानाचार्य चंद्रशेखर जोशी के अनुसार इस ट्रेनिंग में जिले के समस्त लैब परिया विद्यालयों के संस्था प्रधानों तथा हेड टीचर सहित कुल 40 संभागियों को आमंत्रित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम डाइट उदयपुर के टैगोर सभागार में निष्पादित किया जाएगा। इसके साथ ही संस्थान के शैक्षिक तकनीकी प्रभाग द्वारा कक्षा 6 से 10 पाठ्यपुस्तक आधारित विज्ञान विषयाभ्यासकों के प्रायोगिक कार्य का दो दिवसीय प्रशिक्षण 19 व 20 जुलाई को यहां आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में विज्ञान विषय के 40 शिक्षक भाग लेंगे।

नए कानूनों से आपराधिक न्याय सिस्टम में होगा बदलाव : सांसद डॉ. रावत

तीन नए आपराधिक कानून, सूर्य घर एवं संपूर्णता अभियान तथा साइबर क्राइम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर की ओर से मंगलवार को पैसेफिक विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में तीन नये आपराधिक कानून, संपूर्णता अभियान, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचित किए गए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता तीनों नए कानून आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने का काम करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि आज के समय में साइबर क्राइम बहुत अधिक बढ़ रहे हैं उनकी रोकथाम के लिए सरकार ने अनेक कानून भी बनाये है। उन्होंने युवाओं से कहा कि इस क्राइम से

बचने के लिए शिक्षित और सजग रहने की जरूरत है।

उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए समन्वय के साथ तालमेल बिठाकर काम करने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता के अपर सेशन न्यायाधीश व विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव, कुलदीप शर्मा ने तीनों नये कानूनों पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि तीनों कानूनों का खास मकसद विभिन्न अपराधों को परिभाषित करके उनके लिए सजा तय कर देश में आपराधिक न्याय सिस्टम को पूरी तरह से बदलना है।

केंद्र सरकार ने तीनों नए आपराधिक कानूनों को 1 जुलाई, 2024 से लागू करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। 23 फरवरी को जारी किए गए इस नोटिफिकेशन के बाद अब वर्तमान में लागू ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम निर्धारित तारीख से खत्म कर दिए हैं। केन्द्रीय संचार



ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी देते हुए बताया क इस योजना का लक्ष्य 1 करोड़ लोगों के घरों में सोलर पैनल लगाकर उनके बिजली बिल पर होने वाले खर्च को कम या बिल्कुल

समाप्त कर देना है। इस घर योजना का लाभ गरीब व माध्यम वर्ग के परिवारों को मिलेगा जिनकी आय 2 लाख रुपए से कम है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत हर महीने 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। महिला बाल विकास विभाग के उपनिदेशक संजय जोशी ने कहा कि नीति आयोग द्वारा 04 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक 3 महीने का संपूर्णता अभियान शुरू किया गया। इसका उद्देश्य देश भर के आकांक्षी जिलों व आकांक्षी ब्लॉकों में 6 प्रमुख संकेतकों की परिपूर्णता अर्जित करने के लिए निरंतर प्रयास करना है। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने छर्मों के नाम एक पेड़ एक अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर पैसेफिक ऑफ ग्रुप के संरक्षक बी पी शर्मा, प्रो हेमंत कोठारी और प्राचार्य डॉ. पुष्पा मेहनू डॉ. बिंदु लौड़ा, डॉ. मन्मथ जोशी, धवल शाह, पूजा सिसोदिया, प्रवीण कौसर, राम पालीवाल, रामेश्वर नागदा सहित तीन सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

पौधारोपण अभियान को बनाये सार्थक, ऐसा कार्य करे जिससे हो आत्म संतुष्टि: जिला कलक्टर मंत्री

संजीवनी टुडे

जिला कलक्टर ने ली ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक दिए आवश्यक निर्देश

पाली। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला परिषद सभागार में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर एलएन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान व अमृत पर्यावरण महोत्सव में पौधारोपण कर उनका संरक्षण भी करें और प्रयास करे कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार सरकारी कार्मिक कुछ ऐसा अच्छा काम भी करें जिससे आत्म संतुष्टि हो कि नौकरी में अच्छा कार्य किया है। बैठक में उन्होंने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। जिनमे उन्होंने मुख्य रूप से पौधारोपण की प्रगति, वितरण, पौधारोपण में शिक्षा



विभाग की भूमिका जोयो टैंग व उनके रोपण के बारे में पौधारोपण में एनजीओ व अन्य लोगों को भी जोड़कर अभियान को सार्थक बनाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन 2 में विभिन्न फंडस के बारे में चर्चा, उन्होंने प्रधानमंत्री आवास में बकाया कार्यों को पूर्ण करने के लिए एमपी लेड व एमएलए लेड में बकाया कार्य, मनरेगा कार्यों के बारे में वह श्रमिकों को भुगतान, संख्या, अन्नपूर्णा रसोई योजना के बारे में व स्वच्छ भारत मिशन योजना में योजना की प्रगति

की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर ने जिले के विभिन्न ब्लाक की प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद नरेश शर्मा और ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं के कार्यों में प्रगति की जानकारी देते हुए पौधारोपण अभियान के बारे में जानकारी दी व आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर जिले के विकास अधिकारी व जिला परिषद के हरि सिंह, राजेंद्र धोलिया तथा अन्य अभियंता उपस्थित रहे।

आमजन को अधिक से अधिक राहत देना ही मंशा: सांसद डॉ रावत

संजीवनी टुडे

आमजन के अभाव-अभियोग सुन अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

उदयपुर। आमजन की परिवेदनओं के त्वरित निस्तारण की मंशा से उदयपुर लोकसभा क्षेत्र सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने मंगलवार को जिला परिषद स्थित सांसद कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित आमजन के अभाव अभियोग सुने और निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को टेलीफोन एवं प्रत्यक्ष व्यवहार द्वारा आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश प्रदान किये। इस अवसर पर सांसद डॉ रावत ने कहा कि नियमित जनसुनवाई आयोजन के पीछे मंशा आमजन को ज्यादा से ज्यादा राहत पहुंचाने की है। ऐसे में अधिकाधिक



लोगों को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक परिवारी की फरियाद को तल्लीनता से सुना तथा शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने नियुक्ति के प्रकरण, सड़क, पेंशन, यूडीए से संबंधित प्रकरण, जमीन खातेदारी के प्रकरण, पेयजल आदि से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

ईको डेस्टिनेशन टूर 21 से, एक्सप्लोर होंगे नए ट्रेक्स

संजीवनी टुडे

उदयपुर। मोहर्म पर्व के तहत निकलने वाले जुलूस के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार पोसवाल ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं।

जारी आदेश के 17 जुलाई को प्रातः 9 बजे से ताजिये की सवारी से ताजिये निकासी तक स्मार्ट सिटी के एसीईओ कृष्णपाल सिंह चौहान व बडगांव तहसीलदार पर्वत सिंह को मुखर्जी चौक से घंटाघर व घंडिया देवार, अपराहन 3 बजे से ताजिये की सवारी से ताजिये निकासी तक सहायक कलक्टर माधव भारद्वाज व देवस्थान विभाग के तहसीलदार प्रवीण चौधरी को तीज का चौक से चौखला बाजार व भडभुजा घाटी, स्थानीय निकाय उपनिदेशक विनोद कुमार व बारपाल के नायब तहसीलदार रेवतराम को भडभुजा घाटी से बडाबाजार व घण्टाघर क्षेत्र, सहायक कलक्टर रमेश सिरवी व गिर्वा तहसीलदार सुरेश मेहता को घण्टाघर से जगदीश चौक व लालघाट तक, जिला रसद अधिकारी गीतेश श्री मालवीय व गिर्वा के नायब तहसीलदार भाय्यराम जोशी को बडा बाजार से घण्टाघर होते हुए जगदीश चौक से लालघाट तक, गिर्वा एसडीएम रिया डाबी व कुराबड़ तहसीलदार भूपन्द सिंह राठौड़ को धौली बावड़ी से तीज चौक होते हुए लालघाट तथा बडगांव एसडीएम श्रीमती सीमा तिवारी व बडगांव के नायब तहसीलदार रमेशचंद्र राजपुरोहित को खांजीपीर क्षेत्र के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। वहीं एक अन्य आदेश के तहत उदयपुर विकास प्राधिकरण की भूमि अर्वाचित अधिकारी श्रीमती बिंदुबाला राजासत व हरिशचंद्र माथुर लोक प्रशिक्षण की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती रागिनी डामोर व जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती नीलम लखारा को कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।



संजीवनी टुडे

उदयपुर। वन विभाग ने इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए इस साल का वन भ्रमण कार्यक्रम लॉन्च किया है। इसमें पर्यटकों को दक्षिणी राजस्थान के ख्यात इको टूरिज्म स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। उप वन संरक्षक डी के तिवारी ने बताया कि इसकी शुरुआत 21 जुलाई को रणकपुर एवं जवाई बांध से होगी। बुकिंग संबंधी जानकारी के लिए वन विभाग द्वारा मनोनीत नंबर 7568348678 पर संपर्क कर की जा सकेगी। वन भ्रमण के लिए रजिस्ट्रेशन पहले करवाना होगा और वाहन रविवार सुबह समयानुसार चेतक सड़क स्थित वन भवन स्थित रवाना होंगे। तिवारी ने बताया कि वन भ्रमण के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रकृत प्रेमियों को फुलवारी की नाल सेंचुरी के पानरवा वन क्षेत्र का कटठावाली झेर ट्रेक एवं वाकल नदी के रमणिक स्थल, रावली टोंडगढ़ सेंचुरी के गोरसघाट व भीलबेरी वाटर फॉल, बस्सी वन्यजीव अभयारण्य व सीतामाता सेंचुरी का आरामपुर ट्रेक व जाखम बांध, जयसमंद सेंचुरी के झूमर बावड़ी व बाघदर्रा क्रोकोडाइल, कुंभलगढ़ वाइल्डलाइफ सेंचुरी शामिल हैं। वहीं रणकपुर एवं जवाई के लिए मय लेपर्ड सफारी दरें भी निर्धारित हैं, इसमें वातानुकूलित वाहन से परिवहन, चाय-नाश्ता, दिन का भोजन, अभयारण्य प्रवेश शुल्क, टोल टैक्स, इको गाइड चार्ज, इको स्थल के साफ-सफाई का चार्ज शामिल है।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की जिला बैठक कल बुधवार को निर्माणाधिन भवन पर होगी

संजीवनी टुडे

भटेवर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की जिला कार्यकारिणी की बैठक टैगोर नगर , हिरण मंगरी ,सेक्टर 4 उदयपुर में नव निर्माणाधिन कार्यालय भवन पर कल बुधवार को प्रातः 11 बजे रखी गई है। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह झाला करेंगे। जिला मंत्री वगत लाल शर्मा ने बताया कि जिला बैठक में सभी 19 उपाखाओं के अध्यक्ष, मंत्री, महिला मंत्री एवं कोषाध्यक्ष व विशेष आमंत्रित सदस्य भाग लेंगे। जिला कोषाध्यक्ष मंगल कुमार जैन ने सभी उपाखा के अपेक्षित कार्यकारिणी पदाधिकारियों से जिला बैठक में दिनांक 13 जुलाई 2024 तक उप शाखा स्तर पर की गई वार्षिक सदस्यता की सूची पांच प्रति में और सभी रिक्त एवं भरी हुई सदस्यता की रसीद बुकों के साथ प्रांत, जिला व उप शाखा के अंशदान का ड्राफ्ट बनाकर अनिवार्यतः साथ लाकर बैठक में जमा करने को कहा। मीडिया प्रभारी गोपाल मेहता मेनारिया ने बताया कि बैठक में प्रांत के निर्देशानुसार पर्यवेक्षक के रूप में नटवर पांचाल उपस्थित रहेंगे एवं जिन उपाखाओं का अंकेक्षण बाकी है उन सभी उप शाखां का अंकेक्षण भी किया जाएगा। अतः अंकेक्षण से वंचित उप शाखा के कोषाध्यक्ष उप शाखा की रोकड़ बही, वाउचर फाइल एवं बैंक खाते को पासबुक अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं ताकि उनका अंकेक्षण कार्य भी पूरा किया जा सके। बैठक में उप शाखा पदाधिकारी द्वारा लाई गई शिक्षक समस्याओं का संकलन किया जाएगा और चर्चा कर उनके समाधान का प्रस्ताव लिया जाएगा।

भीम मुख्यालय पर ए.सी.जे.एम. कोर्ट के ए.डी.जे. कोर्ट में क्रमोन्नत करने के लिए गंभीरता से विचार किया जाएगा: पटेल

संजीवनी टुडे

राजसमंद। विधि एवं विधिक संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में आक्षेपित किया कि भीम विधानसभा क्षेत्र के एसीजेएम न्यायालय को एडीजे न्यायालय में क्रमोन्नत करने के लिए उच्च न्यायालय से परामर्श कर गंभीरता से विचार किया जाएगा। विधि एवं विधिक संसदीय कार्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यहां 153 सिविल केस और 213 फौजदारी केस सहित 366 प्रकरण लंबित है और प्रकरणों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इससे पहले विधायक हरिसिंह रावत के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में विधि एवं विधिक संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि किसी स्थान पर न्यायालय का क्रमोन्नयन माननीय उच्च न्यायालय की उपलब्धता होने पर ही न्यायालय की स्थापना हेतु राज्य सरकार द्वारा विचार किया जा सकेगा।

दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ विकसित राजस्थान के विजन को ध्यान में रखकर तैयार किया बजट

डबल इंजन की सरकार पूरी तरह जनता के लिए समर्पित, बजट की सभी घोषणाएं समय पर पूरी की जाएंगी : उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री

संजीवनी टुडे

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को राज्य विधान सभा में कहा कि हमने पहले बजट से ही दूरदर्शी सोच के साथ हर क्षेत्र के विकास का प्लान बनाया है। यह बजट विकसित राजस्थान के लिए है, जिसका जनता को पूरा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आदर्श चुनाव आचार संहिता की अवधि के बावजूद प्रदेश में विकास की गति को कायम रखा है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन से प्रदेश कर्ज के जाल में उलझ गया था, लेकिन अब कुशल वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से प्रदेश की आर्थिक सेहत सुधर रही है। उन्होंने कहा कि आमजन के साथ ही विपक्ष के भी कई सदस्यों द्वारा बजट का खुले दिल से स्वागत किया गया है। लगभग 1.67 लाख सुझावों को शामिल कर बजट को समावेशी बनाया गया है। उप मुख्यमंत्री ने

कहा कि डबल इंजन की सरकार पूरी तरह जनता के लिए समर्पित है और सभी बजट घोषणाएं समय पर पूरी की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की जनता से किये वादे पूरे किये जा रहे हैं। राज्य सरकार ने 2 माह की आदर्श चुनाव आचार संहिता की अवधि के बावजूद प्रदेश में विकास की गति को कायम रखा है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन से प्रदेश कर्ज के जाल में उलझ गया था, लेकिन अब कुशल वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से प्रदेश की आर्थिक सेहत सुधर रही है। उन्होंने कहा कि आमजन के साथ ही विपक्ष के भी कई सदस्यों द्वारा बजट का खुले दिल से स्वागत किया गया है। लगभग 1.67 लाख सुझावों को शामिल कर बजट को समावेशी बनाया गया है। उप मुख्यमंत्री ने



संग्रहण हुआ है। राज्य सरकार राजस्व बढ़ाते हुए जनता से किये सभी वादे पूरे करेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट को बहुत प्लानिंग के साथ तैयार किया गया है। इससे प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में आएगा। साथ ही, वंचित वर्ग के लोगों के चेहरों पर मुस्कान आएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उन्नत कृषि और खुशहाल

किसान के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 66 लाख किसानों के बैंक खातों में 650 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि हस्तांतरित की गई है। राज्य सरकार ने पशुधन बीमा योजना का दायरा बढ़ाया है। साथ ही, पशुपालकों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना भी लागू की है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि ईआरसीपी के लिए केन्द्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के साथ एमओयू कर प्रथम चरण के लिए कार्यदिशा भी जारी कर दिये गए हैं। वहीं, यमुना जल को लेकर केन्द्र सरकार और हरियाणा सरकार के साथ त्रिपक्षीय समझौता किया गया है। उन्होंने कहा कि 33 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता स्थापित करने की दिशा में राज्य अग्रसर है। इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों से एमओयू कर कार्य भी शुरू कर दिया गया है। इससे प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली उपलब्ध होगी। वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में राज्य सरकार हेल्थ फॉर ऑल के सिद्धांत पर काम कर रही है। वहीं, जनजाति क्षेत्र के विकास के लिए भी राज्य सरकार स्वदेवशील है। जनजाति क्षेत्र के विकास के लिए गोविन्द गुरु जनजाति क्षेत्रीय विकास योजना प्रारम्भ की जा रही है। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सर्वजन के हित को अपना ध्येय मानकर सरकार गठन के पहले दिन से ही पूरी क्षमता से जुटी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं रखेगी। उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न विभागों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की।

सम्पादक की कलम से...

सम्पादकीय

खुद को श्रेष्ठ और दूसरे को हीन मानने की भावना बलवती होती चली जा रही है



विद्वानों का ध्यान अभी तक सिर्फ हिंदुओं की जाति व्यवस्था तक ही सिमटा हुआ है, उनका मन व्यापक स्तर पर सोच ही नहीं पा रहा है। व्यक्ति में ही स्वयं को श्रेष्ठ मानने का भाव होता है, जिसे विकृति भी कह सकते हैं। भारतीय समाज की ऊंच-नीच को लेकर आलोचना और निंदा की जाती रही है। भारत में भी हिंदुओं को निशाने पर प्रमुख रूप से लिया जाता रहा है। हिंदुओं की जाति व्यवस्था को लेकर बहुत कुछ लिखा और कहा जाता रहा है, जबकि ऊंच-नीच को समस्या सिर्फ हिंदुओं की ही नहीं है। ऊंच-नीच का आशय है स्वयं को श्रेष्ठ और सामने वाले को हीन मानना। स्वयं को श्रेष्ठ मानने की विकृति हर धर्म, हर पंथ, हर संप्रदाय में ही नहीं बल्कि, हर समाज के हर क्षेत्र में गहरे तक समाई हुई है लेकिन, विद्वानों का ध्यान अभी तक सिर्फ हिंदुओं की जाति व्यवस्था तक ही सिमटा हुआ है, उनका मन व्यापक स्तर पर सोच ही नहीं पा रहा है। व्यक्ति में ही स्वयं को श्रेष्ठ मानने का भाव होता है, जिसे विकृति भी कह सकते हैं, उसी विकृति से संबंधित कई लोग एक जगह जमा हो जाते हैं तो, वह विकृति सामूहिक रूप धारण कर लेती है, जो हर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर देखी और महसूस की जा सकती है। हिंदू स्वयं को श्रेष्ठ मानते हैं, वहीं अन्य धर्मों के अनुयायियों को हीन। हिंदुओं में स्वयं को श्रेष्ठ मानते हैं एवं पिछड़ों और दलितों को हीन। पुरुष स्वयं को श्रेष्ठ और स्त्री को हीन मानता है। गोर स्वयं को श्रेष्ठ और कालों को हीन मानते हैं, इस सबकी चर्चा होती रही है पर, इससे अलग भी श्रेष्ठता का भाव है, जिसकी चर्चा नहीं की जाती। साक्षर स्वयं को श्रेष्ठ और निरक्षर को हीन मानते हैं। सरकारी विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को निजी विद्यालय के छात्र और शिक्षक हीन मानते हैं। निजी क्षेत्र के स्कूल और कॉलेज में भी श्रेणी है, ब्रांडेड और महंगे स्कूल-कॉलेज के छात्र और शिक्षक कम चर्चित और सरती संस्थाओं के छात्रों और शिक्षकों को हीन मानते हैं। उच्च शिक्षित स्वयं को श्रेष्ठ और साक्षर को हीन मानते हैं, इसी तरह उच्च शिक्षितों में विज्ञान के विज्ञान कला के विद्वानों को हीन मानते हैं। कला में अंग्रेजी का ज्ञाता स्वयं को श्रेष्ठ और हिंदी वाले को हीन मानता है। राजनीति की बात करें तो, ग्राम सभा सदस्य को प्रधान, प्रधान को ब्लॉक प्रमुख, ब्लॉक प्रमुख को विधायक, विधायक को सांसद, सांसद को केंद्रीय मंत्री और केंद्रीय मंत्री को प्रधानमंत्री हीन ही मानते हैं। प्रशासनिक व्यवस्था में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को तृतीय श्रेणी कर्मचारी और कर्मचारियों को अफसर हीन ही मानते हैं। पीडीएस अफसरों को पीसीएस अफसर और पीसीएस अफसरों को आईएस अफसर हीन ही मानते हैं। सिपाही को दरोगा, दरोगा को इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर को सीओ, सीओ को एसपी, एसपी को एसएसपी, एसएसपी को आईजी, आईजी को एडीजी, एडीजी को डीजीपी हीन ही मानते हैं। वायु सेना वाले नौ सेना वालों से और वे थल सेना वालों से स्वयं को श्रेष्ठ मानते हैं। भिखारियों में विकलांग भिखारी को शेष भिखारी हीन ही मानते हैं। मोची किसी भी भिखारी को हीन ही मानता है। मोची को पान और चाय का छोखे का स्वामी हीन मानता है, इन्हें किराना का स्वामी हीन मानता है। किराना के स्वामी को कपड़े का शोखम वाला हीन मानता है, उसे ज्वैलर्स हीन मानता है। सॉफ्टवेयर का जानकार स्वयं को श्रेष्ठ और हाईटेक के जानकार को हीन मानता है। फिल्म इंडस्ट्री को सर्वाधिक प्रगतिशील कहा जाता है, वही की बात करें तो, टीवी से जुड़े कलाकारों को बड़े पद वाले हीन ही समझते हैं। बड़े बैनर की फिल्मों में कार्य कर रहे लोग छोटे बैनर से जुड़े लोगों को हीन समझते हैं। जिसकी निरंतर कई फिल्में हिट हो चुकी हों, वह अन्य को हीन ही समझता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वालों के बीच में भी ऐसा ही भाव रहता है, दूसरा प्रगतिशील क्षेत्र क्रिकेट है, यहाँ भी प्रांतीय टीम में खेल चुके व्यक्ति को राष्ट्रीय स्तर का व्यक्ति हीन समझता है, उसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी हीन समझता है, उसे विशेष रिकार्ड बना चुका खिलाड़ी हीन समझता है। डैक्टॉ और जेलों में कैदियों तक के अंदर श्रेष्ठता का भाव रहता है, वे स्वयं को वरिष्ठ कह कर और बड़ी वारदातों में वांछित होने पर ही श्रेष्ठ मानते हैं। पत्रकारिता क्षेत्र वैश्विक सोच रखने वाला क्षेत्र है लेकिन, यहाँ भी श्रेष्ठता और हीनता अंदर तक महसूस की जा सकती है। रिट्ज़र फोटोग्राफर को हीन समझता है, उसे स्टायफर हीन समझता है, उसे डेस्क इंचार्ज हीन समझता है, उसे संपादक हीन समझता है, उसे उसके ऊपर वाला हीन समझता है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेघ (वृ, चे, चो, ला, ली, लृ, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वृ,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कृ,घ,उ,छ,के,को,ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपको बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, ह, हे, हो, अ, डी, डे, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अप्रुपे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

रिंह (मा, मी, भू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टा, पा, पी, पु, घ, ण, ट, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तु, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नृ, ने, नो, या, यी, यु) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, धा, धे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहे तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (मो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्यका का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आणी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, द, ध, झ, ज, दे, दो, वा, वी) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

आखिर देश में कैसे होगा महिलाओं का विकास!

हर वर्ष की तरह इस बार भी महिला दिवस गुजर गया। महिला दिवस के दिन देश भर में महिलाओं के नाम की धूम रही। हर जगह महिला उत्थान की बातें होती रही। सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर महिलाओं के लिये देश भर में हर जगह कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। केन्द्र व राज्य की सरकार ने समाचार पत्रों में महिलाओं से सम्बन्धित बड़े-बड़े विज्ञापन देकर बताया कि सरकारों महिलाओं के विकास के लिये कितनी प्रयत्नशील है। राष्ट्रपति भवन सहित देश के अनेको स्थानो पर विशिष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। दिन भर हर जगह महिलाओं के उत्थान की बातें, गाथियां होती रही। महिला दिवस के दिन कई प्रदेशों की सरकारी बसों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा करवाई गयी।

महिला दिवस बीत जाने के बाद अब स्थिति पहले की तरह ही हो गयी है। आज फिर से महिलाओं को रेल, बस में वही पुरानी धक्का-मुक्की के बीच यात्रा करनी पड़ रही है। अखबारो, टेलीवीजन पर भी महिलाओं के स्थान पर पुरानी खबरें पूर्ववत् छपने लगी। कल तक बड़चढ़ कर महिला अधिकार की बातें करने वाले लोग देश अन्य मुद्रो में व्यस्त हो गये। मात्र एक दिन में ही महिला हित की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले लोगों का उनके प्रति नजरिया बदल गया है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। उसके उपरान्त भी आज 21 वीं सदी में हमारे समाज में महिलाओं से भेदभाव का सिलसिला पूर्ववत् जारी है। सरकारी नौकरियों में भी महिलाओं को उनकी संख्या के अनुपात में नौकरियां नहीं दी जाती है।

हमारे देश में ऐसा क्यों होता है कि हम एक दिन बड़ी-बड़ी बातें करके महिलाओं के साथ छलावा करते हैं। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि महिला दिवस के दिन की जाने वाली बातें हम हर दिन करें। महिलाओं के प्रति हमारा रवैया हमेशा सकारात्मक बना रहे। हर दिन हम महिलाओं के विकास के प्रति प्रयत्नशील रहें। हम हर क्षेत्र में महिलाओं को आगे बढ़ाने में निरंतर सहयोग करें ताकि साल में सिर्फ एक दिन नहीं बल्कि साल का हर दिन महिलाओं को समर्पित हो।

हमारे देश में आज महिला हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। देश के विकास में महिलाओं की भी उतनी ही भागीदारी है जितनी पुरुषों की है। केन्द्र सरकार में छः महिला मंत्री हैं जो देश के विदेश, रक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालयों को पूरी कुशलता के साथ संचालित कर रही हैं। देश की लोकसभा के संचालन की जिम्मेवारी भी महिला के पास हैं। देश की बेटियां सेना में लड़ाकू जहाज उड़ाने लगी है। सेना के तीनों अंगो सहित पुलिस व विभिन्न सुरक्षा बलों में महिलाये पूरी हिम्मत के साथ अपने दायित्व का



विचार बिन्दु

महिलाओं के लिए नियम-कायदे और कानून तो खूब बना दिये हैं किन्तु उन पर हिंसा और अत्याचार की घटनाओं में अभी तक कोई कमी नहीं आई है। भारत में 70 फीसदी महिलाएं किसी न किसी रूप में कभी न कभी हिंसा का शिकार होती हैं। महिलाओं के साथ बलात्कार, हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। देश को आजाद हुये कई वर्ष बीत जाने के उपरान्त भी महिलायें अभी तक स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रही हैं। महिलायें आज भी अपनी मान मर्यादा की रक्षा को लेकर संघर्षरत नजर आती हैं।

निर्वहन कर रही है।

जब तक देश के सभी क्षेत्रों में महिलाओं को समान अवसर नहीं मिलेगा तब तक देश में महिला शक्ति का समुचित उपयोग नहीं हो पायेगा। हमारे देश में महिलाओ को जब भी अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलता है तब वह पुरुषों से कही कम नहीं रहती है। हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम में महिलाओं का पुरुषों के बराबर ही योगदान है। पिछले कामनवेल्थ, एशियाड सहित अन्य अन्तरराष्ट्रीय खेलों में हमारे देश की महिला खिलाडियों ने पुरुष खिलाडियों के बराबर पदक जीत कर अपनी खेल क्षमता का परिचय दिया था। देश में महिलायें रेल, बस, ट्रक, टैक्सी, हवाई जहाज चलाते देखी जा सकती है। शिक्षा,स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाओं का कार्य उल्लेखनीय है। इतना कुछ होने के बाद भी महिलाओं को अभी भी अपने अधिकारो के लिये संघर्ष करना पड़ रहा है। महिलाओं के हित की बात तो सभी खूब करते हे मगर

उनको अधिकार देने की बात आते ही सभी पीछे खिसकने लगते हैं।

संसद व विधानसभाओ में महिलाओं को आरक्षण देने का बिल वर्षो से लम्बित पड़ा है। कोई भी राजनीतिक दल नहीं चाहता कि महिलाओं को संसद व विधानसभाओ में आरक्षण मिले। दस वर्षों के यूपीए नीत कांग्रेस सरकार व पांच वर्ष में एनडीए नीत भाजपा सरकार ने महिला आरक्षण बिल को पास करवाकर लागू करवाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। इससे पता चलता है कि महिलाओं को लेकर राजनीतिक दल कितने गम्भीर है। सभी दलों के नेताओं को इस बात का डर सताता है कि यदि महिलाओं को संसद में आरक्षण मिल गया तो उनका क्या होगा। इसी डर के कारण किसी भी दल के नेता महिला आरक्षण बिल को पास करवाने में रूची नहीं दिखाते हैं।

मुस्लिम महिलाओं को लेकर लाया गया तीन तलाक

अनजाने में हुए पापों के लिए क्षमा चाहते हैं तो करें ऋषि पंचमी का व्रत

ऋषि पंचमी का व्रत भाद्रपद शुक्ल पंचमी को किया जाता है। ब्रह्म पुरुष में उल्लेख मिलता है कि इस दिन स्त्रियों को प्रतः स्नान के पश्चात घर में पृथ्वी को शुद्ध करना चाहिए और वहां हल्दी से चौकर मण्डल बनाना चाहिए। इस मण्डल पर सप्त ऋषियों की स्थापना कर विधि विधान से उनका पूजन करें। इस दिन व्रत के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

पुराण में बताया गया है कि सात वर्षों तक हर बार इसी प्रकार पूजन करने के बाद आठवें वर्ष ऋषियों की सोने की सात मूर्तियां बनवाकर ब्राह्मण को दान करने से पुण्य लाभ होता है। ये सप्तऋषि हैं? कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि तथा वशिष्ठ। ऐसी भी मान्यता है कि अनजाने में हुए पापों से मुक्ति पाने के लिए भी ऋषि पंचमी का व्रत किया जाता है। इस व्रत को स्त्री पुरुष दोनों ही कर सकते हैं। इस व्रत में किसी देवी-देवता की पूजा नहीं की जाती, बल्कि इस दिन विशेष रूप से सप्त ऋषियों का पूजन किया जाता है।

कहा जाता है कि महिलाओं की माहवारी के दौरान अनजाने में हुई धार्मिक गलतियां और उससे मिलने वाले दोषों से यह व्रत रक्षा करता है। यदि संभव हो तो व्रती

व्यक्ति को गंगा नदी या किसी अन्य नदी अथवा तालाब में स्नान करना चाहिये, यदि यह नहीं हो सके तो घर के पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान करें।

इस दिन स्नान के पूर्व 108 बार मिट्टी से हाथ धोएं, हाथ मिट्टी, गोबर, पीपल के वृक्ष के नीचे की मिट्टी, गंगाजी की मिट्टी, चंदन, तिल, आंवला, गंगाजल, गौमूत्र इत्यादि को शुद्ध जल में मिश्रित कर हाथ धोएं। 108 बार उंगली से दांत मांजें और इतनी ही बार कुल्ला करें। 108 पत्ते फिर पर रखकर 108 लोटा जल से स्नान करें। पूजा की सब सामग्री पहले ही जुटा कर रखें और सात केले, घी, चीनी और दक्षिणा भी रखें। बाद में इसे किसी ब्राह्मण को दान में दे दें।

ऋषि पंचमी के दिन व्रत में केवल वृक्षों के पके फल ही खाएं। अनाज, नमक, दूध, घी, चीनी इत्यादि न खाएं। प्राचीन काल की बात और ब्राह्मण से कुछ उपाय करने को कहा। साथ ही उन्होंने अपने पति से जानना चाहा कि उनकी कन्या की यह गति होने का क्या फलदायक व्रत मुझे बताइए और उस व्रत को करने की विधि भी बताइए।

इस पर ब्रह्माजी बोले? हे राजन! आप जिस प्रकार के व्रत के बारे में पूछ रहे हैं वह है ऋषि पंचमी का व्रत। इस व्रत को करने से

मनुष्य के सब पाप नष्ट तो होते ही हैं साथ ही उसको मनवांछित फल भी प्राप्त होता है। ब्रह्माजी ने राजा सितार्थ को इस बारे में एक कथा सुनाई। विद्वभं देश में एक सदाकारी ब्राह्मण रहता था। उसका नाम उत्तंक था। उसकी सुश्रीला नाम की पत्नी थी जोकि बड़ी ही पतिव्रता थी। इस दंपति का एक पुत्र और एक पुत्री थी। जब ब्राह्मण की पुत्री बड़ी हुई तो योग्य वर के साथ उसका विवाह कर दिया गया लेकिन विवाह के कुछ समय बाद ही वह विधवा हो गई। इससे ब्राह्मण दंपति को बड़ा शोक हुआ और वह अपनी पुत्री के साथ गंगा तट पर एक कुटिया डाल कर रहने लगे।

एक बार की बात है। ब्राह्मण कन्या जब सो रही थी तो अचानक ही उसके शरीर पर कई सारे कीड़े आ गये। उसने अपनी मां को यह बात बताई तो वह विवृत हो उठी और ब्राह्मण से कुछ उपाय करने को कहा। साथ ही उन्होंने अपने पति से जानना चाहा कि उनकी कन्या की यह गति होने का क्या कारण है। ब्राह्मण जानी था उसने अपने ध्यान से यह पता लग लिया कि उसकी पुत्री की यह गति होने का कारण क्या है। उसने अपनी पत्नी को बताया कि पूर्वजन्म में भी उसकी पुत्री ब्राह्मण कन्या ही थी।



आज का इतिहास

17 जुलाई की महत्वपूर्ण घटनाएँ

1992	मारिशस गणराज्य घोषित।
1993	मुंबई में कई बम धमाके हुए और उनमें 300 लोग मारे गए और सैकड़ों से अधिक घायल हो गए।
1998	प्रथम टर्बोनेट इंजन निर्माता हेन्स जोशिम पाबस्ट वान ओहेन का निधन।
2003	सर्विया के प्रधानमंत्री जोरान जिनजिब की बेलग्रेड में हत्या।
2004	दक्षिण कोरियाई संसद में महाभियोग पारित होने के बाद राष्ट्रपति रोह मू हुन पद से निलम्बित, लाहौर में दसवाँ दक्षेस लेखक सम्मेलन प्रारम्भ।
2006	इराक में सद्दाम हुसैन के विरुद्ध मुकदमे की सुनवाई प्रारम्भ।
2007	जर्मैका में 9वें विश्वकप क्रिकेट का उद्घाटन हुआ।
2008	पुदुचेरी के उपराज्यपाल मुकुट मिश्री ने अपने पद से इस्तीफा दिया। केन्द्रीय मंत्रीमण्डल ने नागालैण्ड में राष्ट्रपति शासन हटाने का निर्णय लिया। अमेरिकी वायुसेना ने विश्व के पहले स्टील्थ लड़ाकू विमान एफ्-117 को अपने बेड़े से हटाया। वायुसेना में आपरेशंस निदेशालय के पहले महानिदेशक के तीर पर एयर मार्शल डीसी कुमारिया ने कार्यभार सम्भाला।
2018	नेपाल के त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रीय विमानक्षेत्र में यूएस-बांग्ला एयरलाइन्स का विमान दुर्घटनाग्रस्त, कम से कम 51 लोगों की मृत्यु। यशवंतराव चव्हाण, भारतीय राजनीतिज्ञ।
1913	

ग्रामीण बच्चों के चेहरों की मुस्कान बना 'अंत्योदय फाउंडेशन'

'स्वयं का दर्द महसूस करना जीवित होने का प्रमाण है। दूसरों का दुःख महसूस करना ईंसान होने का प्रमाण है।' इस युक्ति के चरितार्थ करते भाद्रसोड़ा, चित्तौड़गढ़, राजस्थान के मूल निवासी एवं भूतपूर्व मुख्य सचिव, राज्यस्थान सरकार, पद्मश्री मीठालाल जी मेहता के अनुज महेंद्र मेहता, हाल मुकाम मुंबई ने आईआईटी, दिल्ली से इंजीनियरिंग की। एक वर्ष तक अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर पद पर कार्य किया।

अग्रज मीठालालजी मेहता और पिताजी मोतीलालजी मेहता के सामाजिक विचारों और कार्यों से प्रभावित होकर समाज सेवा और देश सेवा का जन्म लेकर पुनः स्वदेश लौटे। यहां आकर आईटी सेक्टर में अपना का व्यवसाय प्रारंभ किया। समाज सेवा की शुरुआत करते हुए वर्ष 2019 में 'अंत्योदय फाउंडेशन' नाम से संस्था बनाई। आरंभ में 'खिलौना बैंक' योजना की शुरुआत की। खिलौना बालक की पहली पुस्तक होता है, जिससे वह उसके रंग, रूप, आकर, गति, आकृति आदि की समझ बनाता है। संस्था ने देश के एक हजार एक सौ



से अधिक विभिन्न सरकारी विद्यालयों में 'खिलौना बैंक' स्थापित किए। इन विद्यालयों में कुछ शैक्षिक, सह शैक्षिक खिलौने जिसमें अल्फाबेट मैग्नेटिक बोर्ड, मैथ बिल्डर, पार्ट्स ऑफ बॉडी, इंटीली किड्स, एनिमल जिम्सा पजल, टेनिस बॉल, नेलकर, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पुस्तिकाएं, एनएमएमएस परीक्षा तैयारी पुस्तिकाएं इत्यादि सेट निःशुल्क उपलब्ध कराकर अनुकरणीय कार्य किया। परिणाम स्वरूप बच्चे अपना मानसिक और शारीरिक विकास कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर बनाता है। संस्था ने देश के एक हजार एक सौ

समाज सेवा कार्य के दौरान महसूस किया कि अक्सर विद्यालयों में अध्यापकों की कमी है। ग्रामीण बच्चे तकनीकी से कौनों दूर हैं। उन्होंने पुत्र अंकित मेहता के साथ मिलकर 'स्मार्ट क्लास रूम' खोलने की योजना को बनाई। उन्होंने अंत्योदय फाउंडेशन के तहत 80 सरकारी विद्यालयों में 'स्मार्ट क्लास रूम' स्थापित किए। इन विद्यालयों में स्मार्ट एलईडी सेट, प्रोजेक्टर, साउंड सिस्टम सुलभ करवाए। जिससे ग्रामीण बच्चों ने तकनीकी से जुड़कर ऑनलाइन कंटेंट से अपना सेलेबस पढ़कर एक बेहतर भविष्य का निर्माण किया। 'अंत्योदय फाउंडेशन' द्वारा ग्रामीण व सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा तथा एनएमएमएस परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरित कर निःशुल्क कोचिंग का निर्माण किया। 'अंत्योदय फाउंडेशन' एकत्रित किए। संस्था ने अब तक सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं और जरूरतमंद लोगों को लगभग पांच लाख रुपये उपलब्ध कराकर सराहनीय मानव सेवा की है। फाउंडेशन के संस्थापक ने

विधेयक लोकसभा में पास होने के बाद राज्य सभा में लटक गया। इसी कारण सरकार को इस बिल को लेकर बार-बार अध्यादेश लाना पड़ता है। कुछ प्रदेशों की सरकार ने पंचायत राज व स्थानीय निकाय संस्थाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों के निर्वाचन में महिलाओं को आरक्षण दिया है। जब सरकार इनमें महिलाओं को आरक्षण दे सकती है तो फिर संसद व विधानसभा में क्यों नहीं देना चाहती है। संसद व राज्यों की विधानसभाओं में आज महिला सदस्यों की संख्या बहुत कम देखने को मिल रही है। यदि संसद व राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण दिया जाये जो उनकी संख्या बढ़ेगी। संख्या बढ़ने से निःसंदेह ही महिलाये अपे अधिकारो की बात मुखरता से कर पायेगी।

गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने एक पैरामिलिट्री फोर्स के वार्षिक समारोह में इस बात को स्वीकार करते हुये अश्वसन भी दिया था कि देश के आन्तरिक सुरक्षा बलों में महिलाओं की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी की जायेगी। निजी क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं की संख्या भी कोई उल्हासजनक नहीं है। निजी क्षेत्रो की संस्थानों में काम करने वाली महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कमतर आंका जाता है। आज यदि कोई महिला हवाई जहाज, रेल बस, कार चलाती है तो वह समाचारपत्रों में सुर्खियां बन जाती है। इसका कारण एक ही है कि इन क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं की संख्या बहुत कम है।

देश की अधिकांश महिलाओं को आज भी इस बात का पता नहीं है कि महिला दिवस कब आता है व इसका मतलब क्या होता है। हमारे देश की अधिकतर महिलायें तो अपने घर-परिवार में इतनी उलझी होती है कि उन्हें दुनियावारी से मतलब ही नहीं होता है। कहने को तो इस दिन सम्पूर्ण विश्व की महिलाएं देश, जाति, भाषा, राजनीतिक, सांस्कृतिक भेदभाव से परे एकजुट होकर इस दिन को मनाती हैं। मगर हकीकत में यह दिन बड़ी-बड़ी बातें करने तक ही सिमट कर रह जाता है। अब हम महिलाओं के प्रति अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। महिलाओं को सिर्फ घर का काम करने से आगे लाकर उन्हें परिवार के हर निर्णय, सलाह, मशविरा में शामिल कर परिवार के प्रक की भूमिका देनी होगी। हमारे देश में महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर अधिकार है। वे देश की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी आधी भागीदार है। इस बात को कलई नहीं नकारा जा सकता की आज के आधुनिक युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना दिनचर्या की कल्पना भी नहीं की जा सकती। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है।

कम हो तनाव तो केश रहे लाजवाब

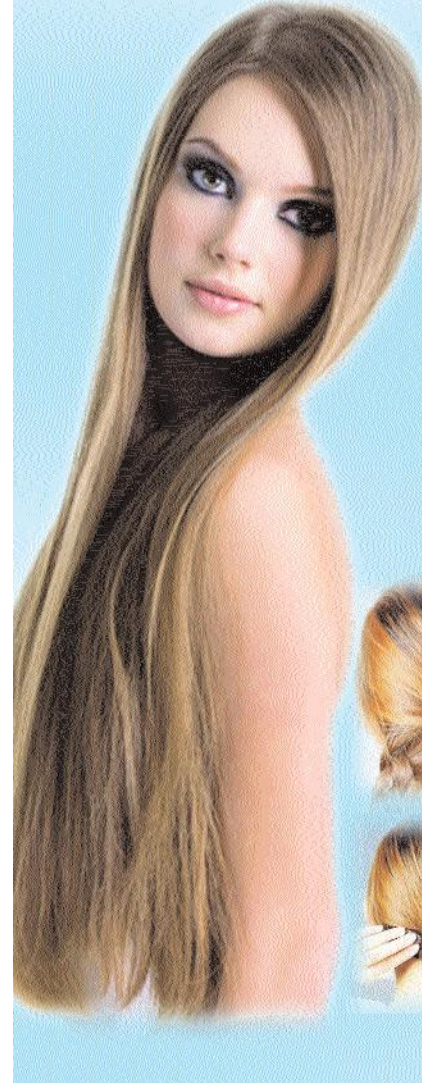
चिंता चिंता के समान होता है, जितनी जल्दी जला दें अरुण है। यहां तो चिंताओं के बीच ही लोग जीवन-यापन के तौर-तरीके सीखते हैं। किसी की जेब में पैसे नहीं हैं तो किसी को नोकरी की चिंता सता रही है। इसी चिंता की चिंता में नौजवानों के बाल जल रहे हैं। केशों का टूटना या बंधे केशों का गंजापन की अंधी दौर चल पड़ी है। जिसमें बहुत कम ही लोग सुरक्षित हैं। ऐसे में भी डॉक्टर मानते हैं कि बाल गिरना एक चिकित्सकीय बीमारी है, जिसका निदान संभव है। हेयर ट्रांसप्लांट व त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित शर्मा कहते हैं कि बाल कम होने के अनेकों कारण हैं। पैसे की कमी के बीच भी जीवन तनाव मुक्त जीया जा सकता है। खानपान का भी केश पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। डॉक्टर मानते हैं कि शुरू से ही कुछ चीजों का खयाल रखें तो गंजापन की समस्या से बचा जा सकता है। बाल गिरने की रोकथाम करने और उपचार के लिए एक कारगर व सुरक्षित विकल्प के लिए डॉक्टर की सलाह ले सकते हैं।

रूसी या सिकरी है झड़ने का मूल कारण

सर की त्वचा में कुपोषण या रूखेपन के कारण जड़ों की त्वचा सूख कर झड़ने लगती है। जिसे सामान्य भाषा में रूसी या सिकरी कहा जाता है। रूसी होने पर बाल झड़ने शुरू हो सकते हैं।

सिर को साफ रखें

फंगल संक्रमणों से बचने के लिए अपने सिर को साफ रखें। अपने बालों को नियमित रूप से धोने, गंदगी को साफ करने और ज्यादा तेल की वजह से सिर की त्वचा के बंद हो जाने वाले छिद्रों को खोलने के लिए किसी हल्के शैम्पू का इस्तेमाल करें। आप अपने बालों को मुलायम बनाने और उलझने से रोकने के लिए किसी सौम्य कंडीशनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। सौम्य और प्राकृतिक हेयरस्टाइल तकनीकों का चुनाव करें।

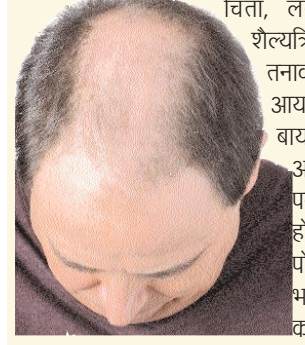


रूसी या सिकरी का उपचार

बाल धोने के आधा घंटे पूर्व एक-दो नींबू काटकर बालों में मल लें तथा हल्के गरम पानी से सर धो लें। इससे रूसी का सफाया हो जाता है। दो किलो पानी में नींबू रस निचोड़कर एक सप्ताह तक प्रतिदिन अच्छी प्रकार से केश धोएं। नारियल के तेल में तेल से आधा कपूर, नींबू का रस मिलाकर जड़ों में हलकी मालिश करें और रोज मोटे दात वाले कंधे से हल्के हाथों से मालिश करें। बालों को साबुन से न धोकर रीठा से धोएं।



बाल कम होने के कारण



चिंता, लंबी बीमारी या शैल्यक्रिया के कारण तनाव होना। प्रोटीन, आयरन, जिंक या बायोटिन जैसे आवश्यक पोषक पदार्थों की कमी होना। लिहाजा पोषक तत्वों से भरे खाद्य पदार्थों को तरजीह दें। यौन हार्मों के स्तर में अचानक बदलाव आना, मसलन महिलाओं में डिलीवरी के बाद। सिर में फंगल संक्रमण होना। हेयरड्रेसिंग (केश सज्जा) तकनीकों का इस्तेमाल करना, जैसे - कसकर गूथना, मोड़ना या बालों को अत्यधिक तापमान में रखना। ब्लॉबिंग, कलरिंग और परमिंग, जैसे - प्रबल रसायनों के इस्तेमाल से बालों का उपचार करना। ये बालों की जड़ों को कमजोर करते हैं और इसके कारण बाल टूटते और झड़ते हैं। एंटीबायोटिक्स, बीटा ब्लॉकर्स और कॉर्टिसोस जैसी औषधियां लेना। कीमोथेरेपी बालों की कोशिकाओं को नष्ट कर सकती है।

बालों का खयाल रखने के नुस्खे

हेलमेट, कपियों, हेयरब्रशों और टोपियों को दूसरे लोगों के साथ साझा न करें। बाल गीले हों तो इन पर ब्रश या कंघी न करें। या बहुत कसकर ब्रश नहीं करें। चिंता, अवसाद और अत्यधिक उल्लेखना पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्यवर्द्धक और संतुलित आहार लें। हरी सब्जियां, नारियल, सोया, मछली, अंडे, लीवर और बादाम तथा अखरोट जैसी गिरियां आपके बालों को अच्छा पोषण प्रदान कर सकती है।

हैप्पी रहने के 9 मंत्र

- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं।
- एक कहावत है कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में कई घंटे बीत जाते हैं। इसलिए दूसरों को हंसने का अवसर अवश्य प्रदान करें।
- सकारात्मक सोच से कठिन से कठिन दिखाई देने वाले काम आसानी से संपन्न हो जाते हैं। यदि आप अपने मन में सकारात्मक भाव जाग्रत करेंगी तो आपका हर काम आसानी से पूरा हो जाएगा।
- अपनी छोटी-बड़ी हर उपलब्धि का जश्न मनाएं। कभी भी इस इंतजार में छोटी उपलब्धि को दरकिनार न करें कि जब बड़ी उपलब्धि हासिल होगी तो जश्न मनाएंगी।
- तन की सुंदरता के बजाय मन की सुंदरता को महत्व दें। तन की सुंदरता तो कुछ वर्षों की मेहमान है, जबकि मन की सुंदरता तो हमेशा साथ रहेगी।
- अपने आसपास के लोगों पर विश्वास करें। यदि आप हरेक को शंकाव दृष्टि से देखेंगी तो जिंदगी का आनंद उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- कौन कैसा है इस बात पर ज्यादा दिमाग न लगाएं। इसके बजाय इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आप अपने को और अच्छा कैसे बना सकती हैं।
- जो बात दिल में हो उसे कहने में संकोच न करें। कई बार हम अपने दिल की बात जुबां पर नहीं ला पाते और हमें बाद में पछताना पड़ता है।
- बिस्तर पर जाने से पहले सारी चिंताओं को अलग कर दें और बेफ्रिक होकर लेटें।

त्वचा कहे नो चिपचिप

तैलीय और चिपचिपी त्वचा चेहरे के आकर्षण को कम कर देती है, लेकिन ऐसी त्वचा की अगर सही देखभाल की जाए तो वह निखर उठेगी। इसके लिए आप यहां दिए कुदरती उपायों को अपनाएं। त्वचा का तैलीय होना सिबेसियस ग्लैंड्स के अत्यधिक सक्रिय होने का नतीजा होता है। त्वचा की कोमलता बरकरार रखने के लिए प्राकृतिक तेल जरूरी है, पर जब तैलीय ग्रंथियां अधिक तेल का सिक्रीकरण करती हैं तो एक्ने और मुंहासों की समस्या शुरू हो जाती है। ऐसे में धूल-मिट्टी और प्रदूषण के कारण त्वचा के छिद्र भी बंद हो जाते हैं। अगर आप भी तैलीय त्वचा से परेशान हैं तो यहां दिए गए कुदरती उपायों को अपनाएं और पाएँ साफ-सुथरी व निखरी त्वचा।

6 टिप्स हैल्दी त्वचा के लिए

- सेब को छीलकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें। सेब एचएफ का बेहतरीन स्रोत होता है, जो त्वचा को टोन करता है। उसे मुलायम और कर्मात्मक बनाता है।
- एक टी स्पून चंदन पाउडर में गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बनाएं। फिर उसे चेहरे पर लगाएं। सूखने पर पानी से धो लें। इससे त्वचा के दाग-धब्बे और एक्ने भी दूर होंगे।
- 1 टी स्पून बेसन में चुटकी भर हल्दी पाउडर, आधा नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। अगर आपको नींबू सूट नहीं करता है तो उसकी जगह पर दही मिला सकती हैं। आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर लगाएं। सूखने पर हल्के हाथों से मलते हुए छुड़ाएं। यह त्वचा का कालापन दूर करता है। हल्दी त्वचा की चमक बरकरार रखती है।
- तैलीय त्वचा को भी मांयस्वराइजर की जरूरत होती है और इसके लिए आप शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। शहद एक बेहतरीन कुदरती मांयस्वराइजर होता है। इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाएं। फिर धो लें। यह त्वचा की जलन, मुंहासे और कालेपन को दूर करता है। साथ ही उसे कर्मात्मक और लचीली बनाता है।
- 1 टेबल स्पून चावल के आटे में 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर भीतर से बाहर की तरफमोलोई में हाथ घुमाते हुए कुछ देर मसाज करें। चावल का आटा डेड सेल्स हटाता है। त्वचा के छिद्र भी खोलता है, ताकि साफऑक्सीजन त्वचा के भीतर जा सके।
- 1 टेबल स्पून मुलतानी मिट्टी में अंडे की सफेदी, 1 टेबल स्पून ओट्स पाउडर, 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।



खीरे से बना फेस पैक फायदेमंद

यदि आपकी त्वचा तैलीय है तो खीरे का फेस पैक आपके लिए बहुत अच्छा एक अच्छा फेस पैक है। खीरे का फेस पैक बनाने के लिए एक खीरे में एक अंडे की सफेदी, 1 चम्मच नींबू का रस और पुदीने की 5-6 पत्तियों को मिलाकर पीस लें। अब इसे 10 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। उसके बाद इस पैक को चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।

चंदन एक फायदे अनेक

कीलमुंहासों के ठीक होने के बाद चेहरे पर किसी प्रकार के दागधब्बों को भी चंदन के लेप से साफ किया जा सकता है। चंदन का लेप केवल कीलमुंहासों को, ठीक नहीं करता बल्कि त्वचा को साफ कर नमी भी प्रदान करता है। 1 चम्मच चंदन पाउडर में आधा चम्मच पाउडर मिला कर पेस्ट बना कर चेहरे पर 20 मिनट लगाए रखने से केवल कीलमुंहासे कम नहीं हो, आप का चेहरा भी खिलाखिला प्रतीत होता है। बराबर मात्रा में चंदन पाउडर हल्दी पाउडर मिला कर थोड़े दूध के साथ पेस्ट बनाएं, इस में चुटकी भर कपूर भी मिलाएं। इस लेप की चेहरे पर मालिश कर रात भर लगा रहने दें। इस से आप को टंडक के एहसास के साथसाथ चेहरे के दागधब्बे दूर होने का फायदा भी मिलेगा।

साइड इफैक्ट नहीं

चंदन का प्रयोग प्राचीन काल से चला आ रहा है। खासकर आयुर्वेद में चंदन का प्रयोग खूब किया गया है। किसी प्रकार का घाव, फोड़ेफुंस, कटनाखिलना आदिसभी पर चंदन के लेप से आराम मिलता है। यह एक कीमती पेड़ है, जो दक्षिण भारत में ज्यादातर पाया जाता है। चंदन का उबटन शारी से पहले नववधू लगाती है ताकि उस के चेहरे और काया की चमक बनी रहे। यह एक प्राकृतिक पदार्थ है, इसलिए इस के नियमित प्रयोग से किसी प्रकार का साइड इफैक्ट नहीं होता।

इस की खूबियाँ

चंदन में कीटाणुनाशक विशेषता होने की वजह से यह हर्बल एंटीसेप्टिक है, इसलिए किसी भी प्रकार के छोटे घाव और खरोंच को ठीक करता है। यह जलने से हुए घाव को भी ठीक कर सकता है। शरीर के किसी भाग पर खुजली होने पर चंदन पाउडर में हल्दी और एक चम्मच नींबू का रस मिला कर लगाने से खुजली तो दूर होगी ही, साथ में त्वचा की लालिमा भी कम होगी। चंदन का तेल सूखी त्वचा के लिए गुणकारी होता है। यह सूखी त्वचा को नमी प्रदान करता है।

अगर आप महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट, शैम्पू, ऑयल ऑयल का इस्तेमाल करते हए थक चुकी हैं, फिर भी आपको पर मुलतानी मिट्टी का लेप लगाने से रंगत निखरती है और बालों में लगाने से ये घने, मुलायम और काले हो जाते हैं। मुंहासों की समस्या से परेशान लोगों के लिए तनेजा का कहना है कि मुलतानी मिट्टी सौन्दर्य का खजाना है। ये नेचुरल कंडीशनर भी है और ब्लीच भी। ये सौन्दर्य निखारने का सबसे सस्ता



मुलतानी मिट्टी जरूर इस्तेमाल करें

अगर आप महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट, शैम्पू, ऑयल ऑयल का इस्तेमाल करते हए थक चुकी हैं, फिर भी आपको पर मुलतानी मिट्टी का लेप लगाने से रंगत निखरती है और बालों में लगाने से ये घने, मुलायम और काले हो जाते हैं। मुंहासों की समस्या से परेशान लोगों के लिए तनेजा का कहना है कि मुलतानी मिट्टी सौन्दर्य का खजाना है। ये नेचुरल कंडीशनर भी है और ब्लीच भी। ये सौन्दर्य निखारने का सबसे सस्ता

पथरी से सावधान

पेशाब की पथरी पेशाब में उपस्थित लवणों व खनिजों के जमाव से बनते हैं। ये आमतौर पर मध्य आयु या चालीस साल या उसके बाद पता लगने शुरू होते हैं। जब लवणों और खनिजों की परतें विभिन्न जगहों पर जमा होती जाती हैं तो इन पथरों का आकार बढ़ता जाता है। ये पथर आमतौर पर कैल्शियम के फास्फेट और ऑक्सेलेट होते हैं। ये सभी लवण और खनिज खाने की चीजों व पानी से शरीर में आए होते हैं। कुछ सब्जियाँ जैसे पालक, अरबी के पत्ते और टमाटरों में बहुत अधिक लवण होते हैं। जमीनी पानी में भी काफी सारे लवण होते हैं। कुएँ या बोरेल का पानी यह भी पथरी बनने का कारण होता है। ये लवण धीरे-धीरे करके शरीर में जमा हो जाते हैं और पथर बना लेते हैं। पेशाब के पथर आकृति और आकार में अलग-अलग होते हैं। आमतौर पर ये उसी जगह का आकार ले लेते हैं जिसमें ये बनते हैं। इसीलिए मूत्रवाहिनी के पथर लम्बे होते हैं और मूत्राशय में बने पथर गोल होते हैं। गुर्दे में बने पथर या तो कीप के आकार के होते हैं या अिनर्मित आकार के जैसे कि हिरण के सींग। फोस्फेट और कॉर्बोनेट के पथरों की आकृति आमतौर पर कैल्शियम के फास्फेट और ऑक्सेलेट के पथरों की खुरदुरी। इस कारण से ऑक्सेलेट के पथरों के कारण खून भी निकल सकता है। कुपोषित बच्चों के मूत्राशय में कभी कभी बड़े-बड़े पथर बन जाते हैं। ये कुपोषण के कारण शरीर के प्रोटीन के टूट जाने के कारण बनते हैं। जिसमें पेशाब में फालतू पदार्थ का जमाव हो जाता है। ये कण लवणों के और जमाव के लिए केन्द्रक के रूप में काम करते हैं। पथर नींबू समान बड़े भी हो सकते हैं।

गुर्दे की कीप में पथर

गुर्दे की कीप में पथर कई सालों तक महसूस हुए बिना शरीर में पड़े रह सकते हैं। अक्सर उस व्यक्ति को पता लगने से कहीं पहले गुर्दे खराब हो चुके होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यह बीमारी काफी धीमी होती है और एक गुर्दे के खराब होने पर दूसरा उसका काम चला लेता है। कुछ मामलों में थोड़ी सी बेआरामी हो सकती है। यह गुर्दे के क्षेत्र तक ही सीमित होती है। और यह हल्का दर्द पीठ के तरफ ज्यादा महसूस होता है। कभी-कभी कीप के क्षेत्र में पेशाब के इकट्टे हो जाने के कारण गुर्दे सूज भी जाते हैं। कभी-कभी ऐसा बड़ा गुर्दा एक गाँठ जैसे की हाथ से ही महसूस हो जाता है। कभी-कभी यह समस्या गुर्दे में संक्रमण के रूप में सामने आती है। कभी-कभी गुर्दे की पेशियाँ पथर को कीप से नीचे मूत्रवाहिनी की ओर धकेलती है। ऐसे में एक खास तरह का तेज पेट दर्द नीचे की ओर जाता हुए महसूस होता है। यह दर्द लहरों के रूप में उठता है।

दर्द

मूत्रवाहिनी शूल (दर्द) एक खास तरह का दर्द है जो इस तरह की पथरी से होता है। दर्द पेट में मूत्रतंत्र तक सीमित होता है। यह पेट की मध्यरेषा के दायें या बाएँ ओर होता है। रोगी दर्द से कराहता है। वो या तो उस क्षेत्र को दबाकर या फिर एक तरफ को लेटकर दर्द को दबाने की कोशिश करता है। दर्द मूत्रमार्ग की ओर बढ़ता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मूत्रनलिका और मूत्रवाहिनी की तंत्रिकाओं की जुड़ी समान होती हैं।

मूत्राशय में पथरी

पेशाब करना थोड़ा मुश्किल होता है। ये पथर मुख्यतः मूत्रवाहिनी से आते हैं। कभी-कभी सीधे मूत्राशय में भी पथर बन सकता है। कुपोषित बच्चों में ऐसा होता है। इसके लक्षणों में मुख्यतः मूत्राशय शोथ या पेशाब अटकना शामिल है। मूत्राशय शोथ में खास तरह की जलन, और ऐठन वाला दर्द, बुखार, पेशाब में गन्दलापन और बार-बार पेशाब करने की इच्छा होती है। मूत्राशय में हुए पथरों से कुछ रोगियों के पेशाब में रक्त स्राव दिखाई देता है। मूत्राशय के पथरों के कारण पेशाब रुकने की एक खास विशेषता है रोगी की स्थिति से इसका सम्बन्ध। जब रोगी खड़ा होता है या पेशाब करने के लिए बैठा होता है उस समय ये पथर मूत्राशय के निकास मुँह पर गंद की तरह पड़ा रहता है रोगी जितना ज्यादा जोर लगाता है उतना ही ज्यादा रोक लगती है। परन्तु अगर रोगी गुर्दे लेटे पीठ के बल या करवट से पेशाब करने की कोशिश करे तो पथर मूत्राशय के निकास मुँह से लुढ़क जाता है। इससे पेशाब बाहर निकल सकती है।

'मनोरथंगल' के ट्रेलर ने जीता फैंस का दिल

नई दिल्ली। अपकमिंग मलयालम एंथोलॉजी सीरीज 'मनोरथंगल' का पहला ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता लेखक और पटकथा लेखक-निर्देशक एमटी वासुदेवन नायर के जन्मदिन पर रिलीज किया गया। नायर द्वारा लिखित इस सीरीज में एक, दो नहीं बल्कि 9 सुपरस्टार्स नजर आने वाले हैं। इनमें सुपरस्टार ममूटी, मोहनलाल, फहद फासिल, कमल हासन, पार्वती धिरुवोथु और मधु जैसे कई बेहतरीन एक्टर्स का नाम शामिल है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद फैंस इसे ब्लॉकबस्टर मास्टरपीस कहते हुए नजर आ रहे हैं और रिएक्शन देते दिख रहे हैं।

लाइफ Style

जाह्नवी

'डिप्टी हाई कमिश्नर' बनीं

एजेंसी नई दिल्ली

जाह्नवी कपूर और गुलशन देवैया की मोस्ट अवेटेड स्पॉटलिफ्ट फिल्म 'उलझ' का दमदार ट्रेलर 16 जुलाई को जारी किया गया। जंगली प्रोडक्शन की फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसमें सस्पेंस, एक्शन और ड्रामा तीनों का मिक्स देखने को मिला।

नेशनल अवॉर्ड-विनिंग डायरेक्टर सुधांशु सरिया के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी सबसे कम उम्र की डिप्टी हाई कमिश्नर भाटिया का किरदार निभा रही हैं। उनके सिलेक्शन पर सवाल खड़े होते हैं। कुछ लोग आरोप लगाते हैं कि सुधांशु की नियुक्ति में नेपोटिज्म का काफ़ी हाथ है, क्योंकि वह एक समृद्ध परिवार से हैं। वह अपने डिपार्टमेंट में अपनी जगह बनाने के लिए काफ़ी मशकत करती हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि जाह्नवी लंदन एंबेसी की एक खबरी की तलाश में निकलती हैं और खुद ही उसके जाल में फंस जाती हैं। अपने ऊपर लगे देशद्रोह का आरोप हटाने के लिए और देश की रक्षा करने के लिए वह उन लोगों से भी भिड़ती हैं, जिन्होंने उन्हें और उनके देश को धोखा दिया है। फिल्म में रोशन मैथ्यू, आदिल हुसैन, राजेश तैलंग, मयांग चांग, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी हैं। जाह्नवी कपूर ने फिल्म का ट्रेलर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'हर किसी के पास एक कहानी है। हर कहानी के सीक्रिट्स हैं। हर सीक्रिट में ट्रेप है। इस 'उलझ' को सुलझाना आसान नहीं है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है और यह फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



हॉलीवुड मसाला

रैपर खलीफा ने मांगी माफी

लॉस एंजलिस। अमेरिकी रैपर विज खलीफा ने सोशल मीडिया पर रोमानिया देश से माफी मांगी है। उन्होंने उस देश में परफॉर्मेंस दी थी, और स्टैंड पर ही स्मोकिंग करती शुरू कर दी थी, जिसके कारण पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मगर बाद में उनको रिहा कर दिया गया था। अब उनकी माफी की चर्चा हो रही है। अमेरिकी रैपर विज खलीफा ने सोशल मीडिया पर सभी से माफी मांगी है। दरअसल, उनकी रोमानिया में अपनी परफॉर्मेंस के दौरान ड्रग्स के सेवन के लिए गिरफ्तार किया गया था।

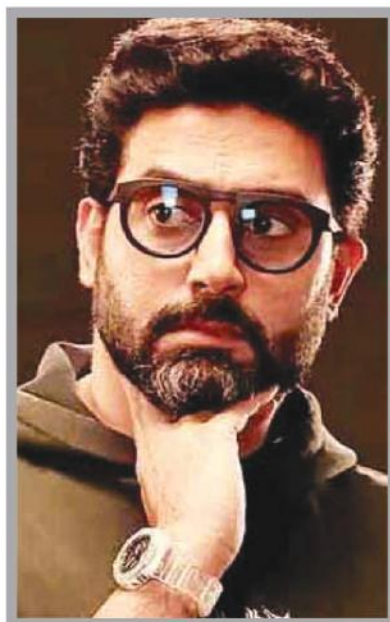


टीवी स्टार किम को पड़ी लताड़...

मुंबई। अमेरिकी रियलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियन और उनकी बहन क्लोई कार्दशियन 12-14 जुलाई के बीच मुंबई में अंनत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के उत्सव का हिस्सा थीं। सोमवार को, किम ने सेलिब्रेशन को नई तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह सफेद और सुनहरे रंग का मनीष मल्होत्रा का लहंगा और चोली पहने हुए थीं। अब रैडिट की एक पोस्ट में दावा किया गया कि किम ने मंगलवार गणेश की मूर्ति के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की थीं और भारी आलोचना होने के बाद किम ने अपना इंस्टाग्राम पोस्ट डिलीट कर दिया। मंगलवार को, किम को नई तस्वीरों के बारे में एक रैडिट पोस्ट में यह अंबानी की शादी के उत्सव के दौरान गणेश की मूर्ति पर अपना चेहरा रखे हुए थीं। एक यूजर ने लिख दिया- भारतीय संस्कृति का अपमान नहीं सहेंगे।

सहेली की शादी में जाना माही को पड़ा महंगा

नई दिल्ली। भोजपुरी एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव इन दिनों वो नाम है जो इस इंडस्ट्री में हर ओर छाया हुआ है। उनके भोजपुरी साँगा रिलीज होते ही खूब पॉपुलर हो रहे हैं और फिर ये भोजपुरी गाना गोल्डी यादव ने गाया हो तो सोने पर सुहागा होना लाजिमी है। भोजपुरी सिनेमा की सुपरहिट जोड़ी माही श्रीवास्तव और गोल्डी यादव का नया गाना रिलीज हो गया है। भोजपुरी साँगा गिर गईल नथिया बरतिया में यूट्यूब पर आया है और इसमें गोल्डी की आवाज और माही का डांस दोनों ही दर्शकों के दिल जीत रहे हैं। इस गाने के बोल जितने मजेदार हैं, उतने ही शानदार तरीके से इस फिल्माया भी गया है। वैसे भी इन दिनों भोजपुरी सिनेमा में मरून कलर सड़िया की धूम है। इसी बीच यह गाना भी काफ़ी उम्मीदें लेकर आया है। माही श्रीवास्तव और गोल्डी यादव का भोजपुरी साँगा गिर गई।



'किंग' में अभिषेक होंगे विलेन...

नई दिल्ली। शाहरुख खान के फैंस उनकी अगली फिल्म के बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बीते कुछ वक्त से चर्चा है कि वह अपनी अगली फिल्म में बेटी सुधाना के साथ नजर आएंगे, जिसका नाम किंग है। फिल्म किंग में पहली बार बाप-बेटी की यह जोड़ी नजर आने वाली है। अभिषेक बच्चन फिल्म किंग में शाहरुख खान के सामने विलेन के रोल में नजर आने वाले हैं। इस बात की पुष्टि अभिषेक के पिता अमिताभ बच्चन ने की है। अमिताभ बच्चन ने रिएक्शन देते हुए पोस्ट में बेटे अभिषेक को बधाई दी और लिखा, 'शुभकामनाएं अभिषेक.. यह समय है !!! सोशल मीडिया पर बिग बी का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। एक्टर के फैंस पोस्ट को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

टीवी मसाला

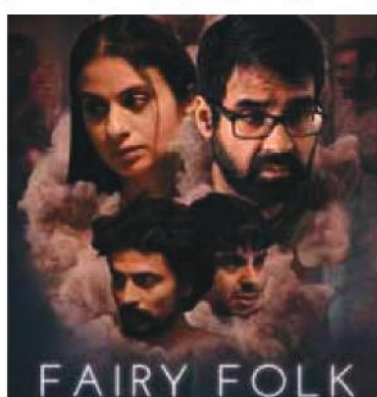


बिग बॉस ओटीटी सीजन-3 में हुआ शॉकिंग नॉमिनेशन

नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 में इस हफ्ते एक वाइल्डकार्ड एंटी हुई है, जो कि सिंगर अदना शोख हैं। घर में एंटी करते ही आपने देखा कि उन्होंने विशाल पांडे को चांटा मारने वाले मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए लवकेश कटारिया पर एक तंज कसा। वहीं, इसके चलते काफ़ी बवाल भी देखने को मिला। लेकिन अब बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 का इस हफ्ते का शॉकिंग नॉमिनेशन देखने को मिला। दरअसल, खबरें हैं कि इस हफ्ते केवल एक ही कंटेस्टेंट नॉमिनेट हुआ है, जो और कोई नहीं बल्कि वाइल्ड कार्ड एंटी अदना शोख हैं। लेकिन इसके बाद आखिर में टिविस्ट देखने को मिला है। बिग बॉस तक के अपडेट के अनुसार, इस हफ्ते का बिग बॉस नॉमिनेशन टास्क कैसिल हो गया है। वहीं, इसके चलते अदना शोख सिर्फ ऐसे कंटेस्टेंट है, जिसे की नॉमिनेट किया गया है। लेकिन बिग बॉस ने एक खेल खेला है और उन्हें रणवीर शौरी और विशाल पांडे के साथ अदना को बाहर वाला बना दिया है, जिसके नियम के मुताबिक अदना शो से बाहर नहीं हो सकते हैं।

'फेयरी फोक' के निर्माताओं ने किया ऑनलाइन वितरण प्लेटफॉर्म लॉन्च

मुंबई। मनमोहक और जादुई यथाथ से ओट-प्रांत फिल्म 'फेयरी फोक' के निर्माताओं ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट, www.fairyfolkthefilm.com के जरिये एक रोमांचक घोषणा की है। उनके अनुसार ये वेबसाइट अब एक ऑनलाइन वितरण प्लेटफॉर्म की भूमिका भी निभाएगी। जहां दर्शक सीधे इस फिल्म को देख सकेंगे और बदले में उन्हें भरनी होगी अपनी मनपसंद राशि। यह भारत में अपनी तरह का पहला प्रयोग है, जो फिल्म वितरण के एक नए मॉडल को शुरूआत भी है। करण गौर द्वारा निर्देशित और रसिका दुगल और मुकुल चड्ढा द्वारा अभिनीत 'फेयरी फोक' को मार्च 2024 में सीमित थियटर रिलीज मिला था। मौखिक प्रचार के माध्यम से लोकप्रियता हासिल करने के बावजूद, फिल्म को महत्वपूर्ण वितरण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण सिनेमाघरों से इसे समय से पहले हटाना पड़ा। जब स्वतंत्र फिल्मों के प्रदर्शन की बात चलती है तो डिजिटल प्लेटफॉर्मों की अनिच्छा भी साफ



जाहिर होती है। इन्हीं चुनौतियों के जवाब में 'फेयरी फोक' की टीम ने अपनी वेबसाइट पर फिल्म को पेश करके एक अभिनव दृष्टिकोण को अपनाया है। यह प्लेटफॉर्म दर्शकों को किसी भी राशि का भुगतान करने की अनुमति देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर कोई अपनी वित्तीय स्थिति की परवाह किए बिना फिल्म का आनंद ले सके।

जगदीश राज को देख पुलिसवाले भी करते थे सैल्यूट, 144 फिल्मों में बने अफसर

नई दिल्ली। कुछ एक्टर अपनी जबरदस्त एक्टिंग और किरदार से दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। 1970 और 80 के दशक में कई ऐसे एक्टर हुए जिन्हें दर्शक एक ही रोल में बार-बार देखना चाहते थे। पुलिस अधिकारी के किरदार से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले एक्टर जगदीश राज को लेकर दर्शकों में कुछ इसी तरह की दीवानगी थी, जिसका नतीजा यह हुआ कि इस टैलेटेड एक्टर ने दो-चार नहीं बल्कि 144 फिल्मों में सिर्फ पुलिस अधिकारी का रोल निभाया। पढ़ें पर 144 बार पुलिस अधिकारी का किरदार निभाने के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल है। बॉलीवुड के साथ-साथ जगदीश राज के काम से हॉलीवुड डायरेक्टरों में प्रभावित थे। बताया जाता है कि हॉलीवुड के एक कॉस्टिंग डायरेक्टर ने जगदीश के काम से प्रभावित होकर एक्टर से मिलने की इच्छा जताई थी। इसके बाद गिनेज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की जांच टीम को बुलाया गया। 144 फिल्मों में एक जैसा किरदार (पुलिस



अफसर का किरदार) निभाने के लिए एक्टर जगदीश राज खुदना का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस तरह मोस्ट टाइटल एक्टर का रिकॉर्ड एक्टर जगदीश राज के नाम है। जगदीश राज की बेटी अनीता राज हैं जो धर्मेद के साथ नौकर बाबी का फिल्म में नजर आ चुकी हैं।

कमी भी नहीं कटता था चालान

पुलिस के किरदार ने उन्हें ऐसी पहचान दिलाई कि एक्टर को सड़क पर देखकर पुलिस वाले भी सलाम करते थे। ऐसा कहा जाता है कि जगदीश राज पहले ऐसे हॉलीवुड एक्टर थे जिनकी सिक्वोरिटी चेकिंग नहीं होती थी। पुलिसवालों के लिए एक्टर किसी रोल मॉडल से कम नहीं थे। यह भी बताया जाता है कि जगदीश राज का कमी भी चालान नहीं कटता था। 1992 में एक्टर ने फिल्मों करियर से संन्यास ले लिया था। 28 जुलाई 2013 को रास की बीमारी के चलते 85 साल की उम्र में एक्टर का निधन हो गया था।

शम्मी ने फैलाई थी आशा पारेख से शादी की अफवाह, शत्रुघ्न के बयान थे अपमानजनक...

अरबाज खान द्वारा होस्ट किए जाने वाला टॉक शो द इनविजिबलस सीरीज सीजन 2 का नया प्रोमो सामने आ गया है, जिसमें दिग्गज एक्ट्रेस आशा पारेख बतौर गेस्ट नजर आ रही हैं और अपनी पर्सनल लाइफ पर बात करते हुए नजर आ रहे हैं। प्रोमो में वह बॉलीवुड में अपने साफ और बिजनेस में एक महिला होने के बारे में बताती हुई नजर आती हैं।

नई दिल्ली। अरबाज खान से बातचीत के दौरान वह अपने को स्टार शम्मी कपूर से अपनी कथित शादी की अफवाहों को मजाकिया अंदाज में बताते हुए कहती हैं, 'हां, हम शादीशुदा थे।' उन्होंने उस पल को भी याद किया जब महान गुरु दत्त ने उनकी मां को फोन करके कहा था कि 'उन्हें नहीं लगता कि वह हीरोइन बन सकती हैं।' प्रोमो में एक्ट्रेस ने मजेदार किस्सा शेयर करते हुए बताया कि जब वह नाइट आउट के बाद लाल आंखों के साथ शूट के लिए सेट पर पहुंची थीं। उन्होंने कहा, मैंने अगले दिन शूट के लिए मना किया था। इसके अलावा उन्होंने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों पर भी बात की और जिक्र किया कि उनके द्वारा की गई



नकारात्मक टिप्पणियों ने उनके पेशेवर संबंध को प्रभावित किया है। उन्होंने शेयर किया, 'यह ऐसा था जैसे बीच कपल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो कि लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम का है। दरअसल, अनुष्का शर्मा ने पति विराट कोहली के साथ लंदन में यूथियन पैपल में आयोजित कृष्ण दास के कार्यक्रम में शिरकत की थी, जिसकी कुछ तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने शेयर की थी। लेकिन इसी इवेंट से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कपल भक्ति में लीन होते हुए नजर आ रहे हैं।

भक्ति में लीन हुए अनुष्का व विराट

नई दिल्ली। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली उन कपल में से एक हैं, जो अपनी फैमिली और पर्सनल लाइफ को हमेशा लाइवलाइफ से दूर रखते हुए नजर आते हैं। इसी बीच कपल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो कि लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम का है। दरअसल, अनुष्का शर्मा ने पति विराट कोहली के साथ लंदन में यूथियन पैपल में आयोजित कृष्ण दास के कार्यक्रम में शिरकत की थी, जिसकी कुछ तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने शेयर की थी। लेकिन इसी इवेंट से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कपल भक्ति में लीन होते हुए नजर आ रहे हैं।



22 साल बाद दोनों सिजलिंग अवतार में वापस आ गए कुमकुम और सुमित

नई दिल्ली। टीवी पर सबसे ज्यादा चर्चित शो कुमकुम लोगों का फेवरिट था। जूही परमार और हुसेन कुचाजेरवाला ने कुमकुम और सुमित के रोल में लोगों के दिलों में इस कदर जगह बना ली कि आज भी उन्हें देखकर वो उन्मा ही खुश होते हैं। एक बार फिर से 22 साल बाद दोनों सिजलिंग अवतार में वापस आ गए हैं। कुमकुम भारतीय टेलीविजन पर सबसे फेमस शो में से एक रहा है और पूरे 22 साल हो चुके हैं। जूही परमार और हुसेन शो के जरिए एक घरेलू नाम बन गए, जो दोपहर के ब्रेक में टीआरपी और स्लॉट लीडर था। 7 वर्षों तक राज करने वाला यह शो 2009 में लगभग 1500 एपिसोड के साथ बंद हो गया। कुमकुम के 22 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, जूही परमार ने कुछ दिन पहले टाइम टैक डाला था, जो करीब 20 मिलियन व्यूज के साथ वायरल हो गया है।

अकेले भारत में हो रहे बाकी दुनिया के बराबर डिजिटल पेमेंट



घरेलू कच्चे तेल पर सरकार ने अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर 6,000 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 7,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। इसके अलावा डीजल, पेट्रोल, विमान ईंधन (एटीएफ) पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि नई दरें 16 जुलाई से लागू होंगी। भारत ने पहली बार अप्रत्याशित लाभ पर कर एक जुलाई, 2022 को लगाया था।

स्पाइसजेट का शेयर सात प्रतिशत से अधिक चढ़ा



मुंबई। विमानन कंपनी स्पाइसजेट का शेयर मंगलवार को सात प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। बीएसई पर शेयर 7.35 प्रतिशत चढ़कर 60 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी के वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही का एकल मुनाफा छह गुना बढ़कर 119 करोड़ रुपये होने की जानकारी देने के एक दिन बाद शेयर में तेजी आई। 2023 की इसी तिमाही में कंपनी ने 16.85 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था।

मस्क ने रोबोटैक्सि में विलंब की पुष्टि की



डेट्रॉइट (अमेरिका)। टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने बहुचर्चित रोबोटैक्सि के अनावरण में विलंब की पुष्टि की है। यह बहुचर्चित अनावरण कार्यक्रम आठ अगस्त को होने वाला था। मस्क ने आयोजन की कोई नई तारीख बताए बिना सोशल मीडिया में 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने वाहन के आगे के हिस्से के डिजाइन में बदलाव का अनुरोध किया है।

मेकमार्श्रिप्ट से एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मिलाया हाथ



मुंबई। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस ने यात्रियों के लिए उड़ान, आवास और गाइडिंग की बुकिंग के लिए ऑनलाइन टैवल फर्म मेकमार्श्रिप्ट के साथ मिलकर साझेदारी में 'एक्सप्रेस होलिडेज' शुरू किया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा कि मेकमार्श्रिप्ट के साथ साझेदारी से यात्रियों की विभिन्न प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कई तरह के आकर्षक पैकेज उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

जियो फाइनेंशियल का लाभ छह प्रतिशत घटा



नई दिल्ली। रिलायंस समूह की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ छह प्रतिशत घटकर 313 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 332 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। जियो फाइनेंशियल की कुल आय अप्रैल-जून अवधि में मामूली बढ़त के साथ 418 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 414 करोड़ रुपये थी।



6 सालों में खुदरा डिजिटल पेमेंट में 100 फीसदी की तेजी आई

एजेंसी ► नई दिल्ली

बीते कुछ सालों में भारत में लोगों के पेमेंट करने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। देश धीरे-धीरे केशलेस इकोनॉमी की ओर बढ़ने लगा है। एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि बीते 6 सालों में खुदरा डिजिटल पेमेंट में 100 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखी गई है। साथ ही रिपोर्ट में अनुमान जाहिर किया गया है कि अगले 6 साल में देश में डिजिटल खुदरा पेमेंट में फिर 100 फीसदी की प्रोग्रेस आ सकती है। केर्ना और अमेजन पे की संयुक्त रिपोर्ट 'हाउ अर्बन इंडिया पेज' के हवाले से बताया है कि साल 2030 तक भारत में खुदरा डिजिटल

3.6 ट्रिलियन डॉलर के खुदरा मुतादान

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2017-18 में भारत में 300 बिलियन डॉलर के खुदरा मुतादान डिजिटल तरीके से किए जा रहे थे। उनकी वैल्यू बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 3.6 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गई। इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि बीते कुछ सालों के दौरान देश में डिजिटल पेमेंट की स्वीकार्यता किस तरह से बढ़ी है और अब लोग व्यापक स्तर पर डिजिटली खुदरा पेमेंट कर रहे हैं।



अकेले भारत दे रहा लगभग आधा योगदान

भारत में खुदरा पेमेंट के डिजिटल होने की व्यापकता का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि 2022 में पूरी दुनिया में इस तरह के डिजिटल पेमेंट किए गए, उनमें लगभग आधा अकेले भारत में किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में ग्लोबल डिजिटल पेमेंट वॉल्यूम में अकेले भारत ने 46 फीसदी का योगदान दिया था।

संयुक्त रिपोर्ट 'हाउ अर्बन इंडिया पेज' के हवाले से बताया है कि साल 2030 तक भारत में खुदरा डिजिटल पेमेंट मौजूदा स्तर की तुलना में डबल होकर 7 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीते 6

सालों के दौरान यानी साल 2018 से 2024 तक देश में यूपीआई पेमेंट में 138 फीसदी की प्रोग्रेस आई है।

मामला वित्त वर्ष 2021-22 के लेनदेन से जुड़ा

पेमेंट्स बैंक्स मामले: सेबी ने पेट्टीएम को भेजा 'प्रशासनिक चेतावनी पत्र'

एजेंसी ► नई दिल्ली

पेट्टीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को सेबी से एक 'प्रशासनिक चेतावनी पत्र' मिला है। मामला वित्त वर्ष 2021-22 में ऑडिट समिति या शेरधारकों की मंजूरी के बिना पेट्टीएम बैंक्स (पीपीबीएल) के साथ संबंधित लेनदेन से जुड़ा है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि उसने लगातार सेबी के नियमों के अनुपालन में काम किया है। फिनटेक कंपनी ने कहा कि वह 'अनुपालन मानकों को बनाए रखने और पारदर्शिता को लेकर प्रतिबद्ध है और सेबी को अपना जवाब भी देगी।'

खुलासे के संबंध में जांच की

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने 15 जुलाई को लिखे पत्र में कहा कि उसने वन97 कम्युनिकेशंस और उसकी सहयोगी पेट्टीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) से संबंधित वित्तीय तथा अन्य सूचनाओं के खुलासे के संदर्भ में जांच की है।

लेखा परीक्षा समिति ने लेनदेन को आरपीटी माना

सेबी ने कहा, 'दूसरी ओर कंपनी के निदेशक मंडल और लेखा परीक्षा समिति ने ओएसएल और/या इसकी अनुबंधी कंपनियों के बीच पीपीबीएल के साथ लेनदेन को महत्वपूर्ण आरपीटी माना है। साथ ही फक्त प्रस्ताव पारित किया गया कि पीपीबीएल के साथ आरपीटी, संबंधित प्रस्तावों में उल्लिखित सीमाओं के भीतर होंगे।'



शेरधारकों की उचित मंजूरी नहीं ली गई

सेबी के पत्र के अनुसार, 'इस संदर्भ में जांच के दौरान निम्नलिखित गैर-अनुपालन देखे गए - वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी और/या इसकी अनुबंधी कंपनियों ने पीपीबीएल के साथ अतिरिक्त संबंधित पक्ष लेनदेन (आरपीटी) या तो लेखा परीक्षा समिति या शेरधारकों की उचित मंजूरी के बिना किए। पेट्टीएम ने बीएसई को दी गई सूचना में सेबी के पत्र की विषय-वस्तु साझा की।

लेनदेन आरपीटी के रूप में सही नहीं

बाजार नियामक के पत्र के अनुसार, कंपनी ने दावा किया कि उसने शेरधारकों के संदर्भ में लिए कंपनी तथा उसकी अनुबंधी कंपनियों द्वारा पीपीबीएल के साथ किए गए लेनदेन का संघर्षी संख्यात्मक गृह्य प्रदान किया था। ओएसएल तथा पीपीबीएल की अनुबंधी कंपनियों के बीच लेनदेन वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान आरपीटी के रूप में सही नहीं है।

अनुपालन मानकों में सुधार की चेतावनी दी

सेबी ने कहा, 'इसलिए आपको भविष्य में सावधान रहने तथा अपने अनुपालन मानकों में सुधार करने की चेतावनी दी जाती है, ताकि भविष्य में ऐसा कुछ दोहरा न हो। ऐसा न करने पर कानून के अनुसार उचित प्रवर्तन कार्रवाई शुरू की जाएगी।'

10 दिनों के भीतर मंगी रिपोर्ट

बाजार नियामक ने कंपनी को यह भी सलाह दी कि वह अपना पत्र निदेशक मंडल की बैठक में उसकी जानकारी और आवश्यक सुधारत्मक कार्रवाई के लिए रखे, जिसके बाद 10 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट सेबी को प्रस्तुत की जाए।

ईवी वाहन उद्योग को दो लाख कुशल लोगों की होगी जरूरत होगी : सियाम

मात्र 30 फीसदी ईवी वाहन लक्ष्य होगा पूर्ण

एजेंसी ► नई दिल्ली

सरकार के 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की स्वीकार्यता को 30 प्रतिशत के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए भारतीय वाहन उद्योग को उस समय तक दो लाख कुशल लोगों की आवश्यकता होगी। भारतीय वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने मंगलवार को यह बात कही। उद्योग निकाय ने कहा कि कार्यबल को काम पर रखने और प्रशिक्षित करने के लिए कुल 13,552 करोड़ रुपये के प्रतिभा निवेश की उम्मीद है।

सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने भारतीय वाहन उद्योग में ईवी से संबंधित कार्यबल को मजबूत बनाने पर एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा, 'वाहन उद्योग के सामने सबसे बड़ी बाधाओं में से एक इलेक्ट्रिक वाहन के लिए कुशल और सक्षम जनशक्ति की कमी है।' अग्रवाल बोले



आयशर कमर्शियल व्हीकल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ भी हैं। उन्होंने कहा कि बैटरी प्रौद्योगिकी संचालित इलेक्ट्रॉनिक्स और मोटर डिजाइन के क्षेत्रों में विशेष रूप से कुशल कामगारों की जरूरत है। अग्रवाल ने कहा, 'वैश्विक रूढ़ानों की गति को बनाए रखने और हमारे वाहन उद्योग को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इस बात की तत्काल आवश्यकता है कि हमारे कार्यबल का कौशल विकास हो।'

2030 तक सरकार मिशन पूरा करेगी

सियाम के उपाध्यक्ष शैलेश चंद ने कहा कि 2030 तक भारत को 30 प्रतिशत ईवी अपनाने के सरकार के मिशन को पूरा करने के लिए विशिष्ट कौशल वाले लगभग एक से दो लाख लोगों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रतिभावाली लोगों की जरूरत कार्यालय में काम करने वालों से लेकर कारखानों में काम करने वालों तक होगी।

नए फीचर्स चैटिंग एक्सपीरियंस को पहले से मजेदार बनाती है

वॉट्सऐप लाया जबरदस्त अपडेट, बदला कॉलिंग का अंदाज

एजेंसी ► नई दिल्ली

वॉट्सऐप अपने यूजर्स के लिए नए-नए फीचर ला रहा है। कंपनी नए फीचर्स के साथ यूजर्स के चैटिंग एक्सपीरियंस को पहले से और मजेदार बनाती जा रही है। लेटेस्ट फीचर्स के साथ वॉट्सऐप के इंटरफेस में भी बदलाव होते रहते हैं। इसी कड़ी में अब कंपनी सभी यूजर्स के लिए कॉलिंग स्क्रीन का नया इंटरफेस रोलआउट कर रही है। इसमें कॉलिंग के लिए यूजर्स को स्क्रीन के बॉटम में कॉलिंग बार दिखेगा। इसमें प्रोफाइल फोटो का साइज भी बढ़ा कर दिया गया है।



डब्ल्यू ए बेटा इंफो ने शेयर किया स्क्रीनशॉट

नए कॉलिंग इंटरफेस के रोलआउट की जानकारी डब्ल्यू ए बेटा इंफो ने दी है। डब्ल्यू ए बेटा इंफो ने एक्स पोस्ट में इसका एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। कंपनी का यह लेटेस्ट अपडेट आईओएस यूजर्स के लिए आया है। अगर आप आईफोन चलाने हैं, तो इस अपडेट को आप चेक कर सकते हैं। नए कॉलिंग बार इंटरफेस के लिए आपको फोन में वॉट्सऐप फॉर आईओएस 24.14.78 इंस्टॉल करना होगा।

सभी विमान कलपुर्जों पर एक समान आईजीएसटी दर लागू

एजेंसी ► नई दिल्ली

सरकार ने सभी विमानों और विमान इंजन के कलपुर्जों पर एकसमान पांच प्रतिशत आईजीएसटी दर को लागू करने की सोमवार को घोषणा की। इस पहल का मकसद उद्योग को गति देना है। एक आधिकारिक विज्ञापन में कहा गया है कि यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यह घरेलू रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) उद्योग के लिए मील का पत्थर है। इस कदम



■ एकसमान पांच प्रतिशत आईजीएसटी दर लागू की जाएगी

■ पहल का मकसद उद्योग को गति देना

जी एंटरटेनमेंट के 2,000 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव मंजूर

एजेंसी ► नई दिल्ली

मोडिया कंपनी जी एंटरटेनमेंट के शेरधारकों ने इक्विटी शेयर जारी करने और पात्र संस्थागत आवंटन (व्यूआईपी) सहित विभिन्न साधनों से बाजार से 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है। जी एंटरटेनमेंट की तरफ से शेयर बाजार को दी गई सूचना के मुताबिक, कंपनी के शेरधारकों ने

सैमसंग के लिए भारत महत्वपूर्ण बाजार

2,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाने के लिए प्रतिभूतियां जारी करने के प्रस्ताव को अपेक्षित बहुमत के साथ पारित कर दिया है। प्रतिभूतियां जारी करने का विशेष प्रस्ताव कुल मतदान के 78.83 प्रतिशत मतों से पारित हुआ। इस विशेष प्रस्ताव के लिए ऑनलाइन मतदान अवधि रविवार को शुरू हुई और सोमवार, 15 जुलाई, 2024 को शाम पांच बजे समाप्त हुई।

परिषद ने की थी सिफारिश

जीएसटी परिषद ने 22 जून को अपनी 53वीं बैठक में एक समान पांच प्रतिशत आईजीएसटी दर की सिफारिश की थी। इसमें कहा गया था कि इस कदम का उद्देश्य परिवहन लागत को कम करना, कर केडिंट मुद्दों को समाधान करना और क्षेत्र में निवेश आकर्षित करना है।

सैमसंग की भारत में परिचालन बढ़ाने कलपुर्जों साझेदारों से चर्चा

एजेंसी ► पेरिस

दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता सैमसंग भारत को एक महत्वपूर्ण बाजार के तौर पर देखती है और वह अपने परिचालन को मजबूती देने के लिए भारतीय कलपुर्जों साझेदारों के साथ बातचीत कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के अध्यक्ष और एमएक्स व्यवसाय के प्रमुख टी एम रोह ने यहां 'सैमसंग अनेक्वड-2024' के मौके पर मोडिया के साथ चर्चा में कहा कि भारत में नोएडा और बंगलुरु स्थित शोध एवं विकास



(आरएंडडी) केंद्र कंपनी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में उभरकर सामने आ रहे हैं। रोह ने कहा, 'सैमसंग के लिए भारतीय बाजार बहुत महत्वपूर्ण है। हम यहां वर्ष 1996 से विनिर्माण संयंत्र संचालित कर रहे हैं।'

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन रही तेजी

एजेंसी ► मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 52 अंक चढ़कर अबतक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी नये शिखर 24,600 के ऊपर पहुंच गया। दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, दूरसंचार और चुनिंदा आईटी शेयरों में लिवाली तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के पूंजी प्रवाह से बाजार में तेजी बनी रही। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 51.69 अंक यानी 0.06 प्रतिशत चढ़कर अपने अबतक के उच्चतम स्तर 80,716.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 26.30 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ नये शिखर 24,613 अंक पर बंद हुआ।

इंफोसिस के शेयरों में हिंदुस्तान यूनिटीवर, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सिमेंट और पावर ग्रिड शामिल है।

कॉल से जुड़े ऑप्शन को एक्सेस करना हुआ आसान

कॉलिंग के लिए आया नया इंटरफेस यूजर्स को काफी पसंद आने वाला है। इसमें कॉल से जुड़े ऑप्शन को एक्सेस करना काफी आसान हो गया है। सेमी-ऑटोमैटेड डिजाइन इसके लुक को और बेहतर बनाता है। ऐडवैंसड यूजर्स के लिए इस नए इंटरफेस को पहले ही रोलआउट किया जा चुका है। अब यह आईओएस के लिए रिलीज हुआ है। कंपनी इसे फेज में रोलआउट कर रही है और धीरे-धीरे सभी आईओएस डिवाइसों तक पहुंच जाएगा।

आया वॉइस मेसेज ट्रांसक्रिप्ट फीचर

वॉट्सऐप में जल्द ही वॉइस मेसेज ट्रांसक्रिप्ट फीचर को एक्टिव करने वाली है। इस फीचर की जानकारी भी डब्ल्यू ए बेटा इंफो ने दी है। शेयर किए गए स्क्रीनशॉट के अनुसार नया ट्रांसक्रिप्शन फीचर इनकॉमिंग और आउटगोइंग वॉइस मेसेज के लिए है। इस फीचर को मकसद से यूजर वॉइस मेसेज को टेक्स्ट में कन्वर्ट करके पढ़ सकते हैं। लेटेस्ट फीचर को सेटअप करने के लिए 136एसबी डेटा की जरूरत पड़ेगी। वॉट्सऐप का वॉइस ट्रांसक्रिप्शन फीचर पांच भाषाओं को सपोर्ट करता है और इसमें हिन्दी भी शामिल है। नए फीचर को कंपनी अभी वॉट्सऐप बीटा फॉर ऐडवैंसड 2.24.15 में रोलआउट कर रही है।

इंफोसिस के शेयरों में तीसरे दिन तेजी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 52 अंक चढ़कर अबतक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी नये शिखर 24,600 के ऊपर पहुंच गया। दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, दूरसंचार और चुनिंदा आईटी शेयरों में लिवाली तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के पूंजी प्रवाह से बाजार में तेजी बनी रही। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 51.69 अंक यानी 0.06 प्रतिशत चढ़कर अपने अबतक के उच्चतम स्तर 80,716.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 26.30 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ नये शिखर 24,613 अंक पर बंद हुआ।

संजीवनी टुडे

कोलकाता के कोचिंग शिपयार्ड से जल मार्ग के जरिए चीन हाइड्रोजन से चलने वाला जलयान नमो घाट पहुंचा है। पर्यटन विभाग की निगरानी में रामनगर मल्टी-मॉडल टर्मिनल राहपुर में शिप को खड़ा किया है। 50 सीटर शिप वाराणसी से मिर्जापुर के चुनाव के बीच 15 किमी की दूरी में चलाया जाएगा। किराया 2500 रुपए प्रति व्यक्ति प्रस्तावित है। हालांकि अभी इस पर अंतिम मुहर लगानी बाकी है।

जानकारी के मुताबिक, दो मंजिला हाइड्रोजन जलयान कोचिंग शिपयार्ड से समुद्री मार्ग से होते हुए 13 जून को कोलकाता पहुंचा। जलमार्ग-1 हल्दिया-वाराणसी रूट पर पानी की कमी के चलते जलयान की रफ्तार थम गई। इसके चलते जलयान को आधा सफर पूरा करने में ज्यादा समय लगा।

काशी से चुनार तक चलेगा देश का पहला हाइड्रोजन जलयान

25 की स्पीड 2500 रुपए किराया

जलयान 20 से 25 किमी की रफ्तार से चल सकता है। शिव को वाराणसी से मिर्जापुर के चुनाव के बीच चलाने की तैयारी है। यात्रा का समय सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक है। यात्रा नमो घाट से शुरू होगी। 2500 रुपए प्रति व्यक्ति किराया प्रस्तावित है। रास्ते में पर्यटकों को गंगा घाट, शूलदेवेश्वर मंदिर समेत कई ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी दी जाएगी।

जलयान की खासियत

देश के पहले हाइड्रोजन जलयान को बनाने में 10 करोड़ से अधिक पैसे खर्च हुए हैं। 5.80 मीटर चौड़ाई वाले शिप में 50 यात्रियों के बैठकर व्यवस्था है। 20-25 किलोमीटर रफ्तार से चलने वाले जलयान की लंबाई 28 मीटर है। गीन हाइड्रोजन से चलने वाले इस कूज में न तो वायु प्रदूषण होगा और न ध्वनि प्रदूषण होगा।



पर्यटकों को गंगा घाट, शूलदेवेश्वर मंदिर समेत कई ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी दी जाएगी। चुनाव किराया ले जाया जाएगा। यहां गाइड किले के इतिहास से रूबरू कराएंगे। पर्यटकों के मनोरंजन का भी खास ख्याल रखा है। यात्रा के दौरान सभी यात्रियों को शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। बैंकफास्ट, लंच और शाम का स्नेक्स शामिल होगा। कूज में लाइव म्यूजिक का भी आयोजन होगा।

2500 रुपए प्रति व्यक्ति किराया	15 किमी दूरी तय करेगा	28 मीटर से अधिक लंबाई	5.80 मीटर से अधिक चौड़ाई	50 यात्रियों के बैठक की व्यवस्था	20-25 किलोमीटर रफ्तार	09 सुबह से 5 बजे शाम तक सफर	10 करोड़ से अधिक की लागत
--------------------------------	-----------------------	-----------------------	--------------------------	----------------------------------	-----------------------	-----------------------------	--------------------------

खबर संक्षेप

बजट पूर्व हलवा समारोह में शामिल हुई वित्त मंत्री



नई दिल्ली। बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का आखिरी चरण माना जाने वाला पारंपरिक हलवा समारोह मंगलवार को हुआ। इसके साथ वित्त वर्ष 2024-25 के बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू हो गया है। बजट 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया जाएगा। इस समारोह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुईं और उन्होंने परंपरा के तौर पर हलवा खाया।

बिभव कुमार के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को 500 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया है। आरोप पत्र में आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियों का अदालत में दाखिल किया गया है। उन्होंने कुमार की न्यायिक हिरासत भी 30 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है। कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने का आरोप है।

हथियार तस्कर गिरोह का गंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को एक और अंतरराज्यीय हथियार तस्कर गिरोह का गंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस के दस्ते ने अमृतसर में तीन हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों के पास से छह पिस्तौलें व भारी मात्रा में कारतूस व मैगजीन भी बरामद की गई हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को गिरफ्तार किए गए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बच्चे से दुष्कर्म के बाद हत्या आरोपी को फांसी की सजा

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले की विशेष पाक्सो अदालत ने नौ साल के बच्चे के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के दोषी दरियाब नामक एक व्यक्ति को मंगलवार को फांसी एवं एक लाख 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनायी। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि 21 जून 2022 को कोसीकलां थाना क्षेत्र के नगला मेव गांव में खाली पड़े एक मकान के पशुओं को बांधने के स्थान पर नौ साल के एक बच्चे का शव फांसी के फंदे पर लटक मिला था।

दोनों देशों की दोस्ती का फायदा उठाना चाहता है अमेरिका मोदी से अमेरिका ने लगाई गुहार, पुतिन आपके अच्छे दोस्त, बंद कराएं यूक्रेन युद्ध

पिछले दिनों संपन्न हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे को लेकर अमेरिका की तरफ से प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। इस बार इस दौरे को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है कि भारत का रूस के साथ पुराना रिश्ता है, यह सबको पता है। मैथ्यू मिलर ने आगे कहा कि हमने भारत को रूस के साथ अपने पुराने रिश्ते और अपनी अद्वितीय स्थिति का उपयोग करते हुए राष्ट्रपति पुतिन से उनके औपेक्ष युद्ध को समाप्त करने और इस संघर्ष में एक न्यायपूर्ण शांति, स्थायी शांति स्थापित करने का आग्रह करने को कहा।

एजेसी ॥ वाशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही रूस के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने रूस राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी। पांच साल बाद मिले दोनों दोस्तों ने एक दूसरे को गले लगाकर मजबूत रिश्तों का दुनिया भर में संदेश दिया। इस दौरान, पुतिन ने पीएम मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल, से सम्मानित भी किया था। हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के रूस दौरे की आलोचना की थी। उनका कहना था कि इस कदम से शांति प्रयासों को झटका लगेगा। अमेरिका ने भी इस यात्रा को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, पीएम मोदी ने पुतिन को शांति की सीख दी थी।

अमेरिकी राजदूत ने की थी ये टिप्पणी

बता दें कि इससे पहले पीएम मोदी के रूस दौरे को लेकर अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा था कि मैं इस बात का सम्मान करता हूँ कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता (अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की नीति) पसंद करता है। युद्ध के समय रणनीतिक स्वायत्तता जैसी कोई चीज लागू नहीं होती है। उन्होंने कहा था, भारत-अमेरिका को जरूरत के समय मिलकर रहना चाहिए। इस रिश्ते को हलके में न लिया जाए।

यूएन के चार्टर का सम्मान करने के लिए मनाने का किया था आग्रह



अमेरिका ने माना, भारत हमारा महत्वपूर्ण साझेदार

मैथ्यू मिलर का कहना है कि अमेरिका ने भारत से ये भी कहा कि वह पुतिन पुतिन को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करने के लिए कहने को भी प्रोत्साहित किया था। रूस के साथ संबंधों की बात करें तो भारत सरकार हमारा एक महत्वपूर्ण साझेदार है। मिलर ने कहा कि हमने भारत से आग्रह किया है कि वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कहकर यूक्रेन में चल रही कार्रवाई को बंद कर स्थायी शांति स्थापित करने की पहल करें।

11 जुलाई को दी थी भारत को सावधान रहने की सलाह

दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी 8-9 जुलाई को आयोजित 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए पिछले दिनों रूस गए थे। इस दौरे के बाद से ही अमेरिकी प्रतिक्रिया आने लगी थी। भारत ने अमेरिकी के राजदूत एरिक गार्सेटी से दिल्ली में 11 जुलाई 2024 को हुई यूएस-इंडिया डिपेंडेंस न्यूज कॉन्फ्रेंस में भारत को रूस से सावधान रहने की सलाह भी दी थी।

पुतिन से यूएन चार्टर का सम्मान करने कहें

मिलर ने मंगलवार को कहा कि भारत पुतिन से कहे कि वे यूएन चार्टर का सम्मान करें। पुतिन से भारत कहे कि वे यूक्रेन की क्षेत्रीय संप्रभुता का भी सम्मान करें। भारत रूस के साथ-साथ हमारा भी अहम सहयोगी है। हम चाहते हैं कि भारत रूस को समझाए।

व्हाइट हाउस भी भारत से कर चुका है अपील

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरिन जीन पिपरे ने भी कुछ दिन पहले भारत से अपील की थी। उन्होंने कहा था कि हमें लगता है कि रूस के साथ भारत के संबंधों में अग्रगण्यता के लिए हमें सलाह देनी चाहिए। भारत के पास यह क्षमता है कि वे रूस को युद्ध रोके के लिए मना सकते हैं। हालांकि, अंतिम फैसला पुतिन का ही होगा। पुतिन ने युद्ध शुरू किया था और अब वहाँ युद्ध को रोकेंगे।

13 लोगों के कातिल सेना के 30 जवानों पर चलेगा हत्या का मुकदमा

3 साल पुराने केस पर केंद्र सरकार व रक्षा मंत्रालय को नोटिस

नगालैंड में तीन साल पहले हुई 13 लोगों की हत्या का मामला एक बार फिर गरमा गया है। इस मामले में राज्य पुलिस से 30 सैनिकों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की थी। हालांकि केंद्र ने इन सैनिकों के खिलाफ केस चलाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया। अब इस मामले में नगालैंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है, जिस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने केंद्र सरकार और रक्षा मंत्रालय को नोटिस जारी करते हुए 4 हफ्ते में जवाब मांगा गया है। दरअसल 4 दिसंबर, 2021 को मोन जिले में सेना के जवानों ने आतंकिओं के खिलाफ ऑपरेशन चलाया था। हालांकि सेना की मिली खुफिया जानकारी गलत साबित हुई थी और घात लगाकर किए गए इस हमले में 13 आम लोगों की जान चले गई थी।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने केस पर लगा दी थी रोक

इस मामले में आरोपी सैनिकों को पकड़ने में जुलाई 2022 में, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारज की थी। उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 21 फरवरी (स्पेशल फोर्स) की अल्फा टीम से जुड़े इन जवानों के खिलाफ केस पर रोक लगा दी थी। जिसके बाद नगालैंड सरकार ने केंद्र से नजदगी लेने की कोशिश की, लेकिन केंद्र ने पिछले साल 28 फरवरी को नजदगी देने से इनकार कर दिया।

आर्मस्ट्रॉंग के बाद अब मदुरै में एक और बड़े नेता की हत्या

मॉर्निंग वॉक के दौरान बदमाशों ने किया हमला

एजेसी ॥ चेन्नई तमिलनाडु में हाल ही में बसपा के प्रदेश अध्यक्ष आर्मस्ट्रॉंग की हत्या के बाद अब एक और नेता का मर्डर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि तमिल कक्षी नाम की एक क्षेत्रीय पार्टी के नेता की हत्या कर दी गई है। हत्या की इस घटना को मदुरै शहर में अंजाम दिया गया है। मृतक की पहचान बालासुब्रमण्यम के रूप में की गई है। बालासुब्रमण्यम मदुरै उत्तर जिला इकाई के उपाध्यक्ष थे। मिली जानकारी के अनुसार बालासुब्रमण्यम सुबह-सुबह

वॉकिंग के लिए निकले थे, तभी रास्ते में चार लोगों ने उनपर हमला कर दिया। दरअसल, तमिलनाडु में बसपा के प्रदेश अध्यक्ष की हत्या पूरे देश में चर्चा में रही थी। इसके कुछ ही दिनों पर अब एक और नेता की हत्या के बाद अब प्रशासन पर सवाल उठने भी शुरू हो गए हैं। बता दें कि हाल ही में बसपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख आर्मस्ट्रॉंग की बदमाशों ने उनके आवास के पास हत्या कर दी थी। बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भी उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंची थीं।

गोपनीय जांच के बाद कई महामंडलेश्वर सहित 13 संत अखाड़ा परिषद से निष्कासित

निष्कासित किए गए संतों को नहीं मिलेगा 2025 में होने वाले महाकुंभ में प्रवेश

संगम के तट पर आयोजित होने वाले महाकुंभ-2025 से पहले संत समाज एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने अखाड़ों से 13 संतों और महामंडलेश्वरों को निष्कासित कर दिया है। बता दें कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद लगातार ऐसे साधु-संतों को चिन्तित करने में जुटा रहता है, जो धार्मिक कार्यों के बजाय धनार्जन और अन्य दूसरी गतिविधियों में लिप्त होते हैं। अखाड़ों की आंतरिक जांच में तमाम संत खरे नहीं उतर सके और यही वजह है कि 13 संतों पर कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें इस व्यवस्था से निष्कासित कर दिया गया है।

100 से ज्यादा और संतों से मांगा गया जवाब अखाड़ा परिषद की आंतरिक जांच में इन संतों की कार्यप्रणाली खलनाम धर्म और अखाड़ों की नीति-नीति के विपरीत मिली थी। बताया जा रहा है कि जिन संतों पर कार्रवाई हुई है उनके कुछ महामंडलेश्वर भी शामिल हैं। इसके अलावा 100 से ज्यादा संत ऐसे भी हैं जिन्हें नोटिस जारी करके 30 सितंबर तक जवाब देने को कहा गया है। अगर इन संतों की तरफ से संतोपजनक जवाब नहीं मिलता है तो उन्हें भी अखाड़ों से निष्कासित किया जा सकता है।

जांच में किस तरह की गड़बड़ी सामने आई

अखाड़ा परिषद की जांच में निष्कासित किए गए अधिक संत धार्मिक अनुष्ठान, गुरुकुल की गतिविधियां बढ़ाने के बजाय धनार्जन में लिप्त मिले। इसके साथ ही कुछ संतों के आपराधिक लोगों से संबंध सामने आए। वहीं, जांच में यह भी पता चला कि कुछ महामंडलेश्वरों ने दूसरों को संव्यास दिलाकर महामंडलेश्वर बनाने के लिए पैसे लिए। मौजूदा समय में 13 अखाड़ों हैं, जिन्हें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के माध्यम से संगठित किया गया है। अखाड़ों से जुड़े संतों में कोई दोष न आए, इसके लिए समय-समय पर सभी अखाड़ों अपने महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत और श्रीमहंतों की कार्यप्रणाली की गोपनीय जांच करावते हैं।

लोकसभा चुनाव हारने के बाद अभी तक नहीं खाली किए आवास

लोकसभा चुनाव 2024 में कई माननीयों की कुर्सी तो गई ही अब उनका आशियाना भी छिनने जा रहा है। केंद्र सरकार ने लुटियन जौन के शानदार बंगलों में रह रहे 200 से अधिक पूर्व सांसदों को घर खाली करने के नोटिस दिए हैं। नई लोकसभा में चुनकर आए नए सांसदों को अभी तक घर आवंटित नहीं हुआ है। घर की बाट जोह रहे सांसदों की कतार लंबी है। पुराने सांसद घर छोड़ेंगे तभी नए एमपी को दिल्ली में छत मिलेगी। पुराने सांसदों को एक महीने के भीतर घर खाली करने के लिए कहा गया है। बता दें कि लोकसभा हाउस कमेटी सांसदों को आवास आवंटित करती है तो केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत संपदा निदेशालय मंत्रियों को बंगले आवंटित करता है। जानकार बताते हैं कि अभी तक नये मंत्रियों को कोई बंगला आवंटित नहीं किया गया है।

सरकारी आवास खाली करने का नियम



नियम के मुताबिक, सांसद न रहने की स्थिति में 15 दिन बाद सरकारी बंगला खाली करना होता है। आमतौर पर नोटिस मिलने के 30 दिन के भीतर बंगला खाली करना होता है। विशेष परिस्थिति में बंगला खाली करने के लिए बल प्रयोग भी किया जा सकता है। सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को लुटियन बिल्डिंग में बंगला आवंटित किया जाता है। टाइट 5 से टाइट 8 तक के बंगले सांसदों, केंद्रीय मंत्री और राज्य मंत्रियों को आवंटित किए जाते हैं। पहली बार चुने गए सांसदों को टाइट 5 बंगले दिए जाते हैं।

200 सांसदों को छोड़ना होगा लुटियन दिल्ली का आलीशान बंगला, सरकार ने जारी किए नोटिस

आधिकारिक सूत्र बताते हैं कि पुराने सांसदों को अभी तक घर खाली कर देना चाहिए था। चूंकि समय सीमा खत्म होने के बाद भी वे सरकारी बंगलों पर कब्जा जमाए बैठे हैं, इसलिए उन्हें घर खाली करने के नोटिस दिए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि अगर नोटिस के बाद भी घर खाली नहीं हुए तो पूर्व सांसदों को घर से निकालने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

पाक सेना के ठिकाने पर आतंकी हमला, 8 सैनिक मृत, 10 आतंकी भी ढेर

पाकिस्तान में आतंकवाद काफी फैल चुका है। लंबे समय तक पाकिस्तान ने आतंकवाद को भरा वहन पनाह देने के साथ ही दूसरे देशों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने में मदद भी की पर अब आतंकवाद पाकिस्तान में भी एक बड़ी समस्या बन चुका है। आए दिन पाकिस्तान में आतंकी हमलों के मामले सामने आते रहते हैं। इसी